सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 235 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 08 जून 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

रायपुर से जबलपुर मदन महल के बीच दौड़ेगी इंटरसिटी एक्सप्रेस, 7 घंटों में पूरा होगा सफर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर से गोंदिया व बालाघाट होते हुए जबलपुर तक नई इंटरसिटी ट्रेन चलेगी। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के लोगों रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव के रास्ते सीधे बालाघाट व जबलपुर जाने के लिए सीधी ट्रेन की सुविधा मिलने जा रही है। रेलवे ने रायपुर से मदन महल (जबलपुर) के बीच एक नई ट्रेन सेवा शुरू करने का फैसला किया है। यात्रियों की सुविधा और लंबे समय से उठाई जा रही मांगों को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। यह ट्रेन कुल छह स्टेशनों पर रुकेगी और करीब 6 घंटे 40 मिनट में अपना सफर पूरा करेगी।

रायपुर से जबलपुर के बीच अब यात्रियों को सीधी ट्रेन की सुविधा मिलेगी, जिससे व्यापारिक और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। इस नई ट्रेन सेवा से छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए जबलपुर पहुंचना आसान होगा और क्षेत्रीय उत्पादों का परिवहन भी बेहतर तरीके से संभव हो सकेगा। चुंकि इस रूट पर बालाघाट व नैनपुर जैसे स्टेशन है जिसके कारण बालाघाट, शिवनी, नैनपुर के लिए भी सीधी रेल सेवा मिलेगी। इन स्टेशनों के लिए रायपुर से चलने वाली यह सीधी ट्रेन होगी। इस ट्रेन के शुरू होने से रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव व डोंगरगढ़ के यात्रियों को लाभ मिलेगा।

वंदेभारत चलाने का था प्लान

पहले इस रूट पर वंदे भारत एक्सप्रेस चलाए जाने का प्लान बना था। वंदे भारत चलाने के संबंध में दिशा निर्देश भी जारी हुए और शेड्यूल भी तैयार हो रहा था। इसके बाद यह ठंडे बस्ते में चला गया। माना जा रहा है कि इस रूट पर वंदेभारत एक्सप्रेस को उम्मीद के अनुसार यात्री मिल सकते थे इस वजह से रेलवे को आर्थिक क्षति संभव थी। इसे देखते हुए संभवत: वंदेभारत का प्लान कैंसिल किया गया। अब इस रूट पर इंटरसिटी चलेगी जिसका किराया भी कम होगा जिससे यात्रियों का उत्साह बढ़ेगा।

यह है ट्रेन का पूरा शेड्यूल

11701-11702 मदन महल-रायपुर-मदन महल के बीच चलने वाली यह नियमित ट्रैन मदन महल से सुबह 6:10 बजे रवाना होकर कुछपुरा (6:25 बजे) होते हुए दोपहर 1:50 बजे रायपुर पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रैन रायपुर से दोपहर 2:45 बजे चलकर कुछपुरा (10:10 बजे) होते हुए रात 10:30 बजे मदन महल पहुंचेगी। इसका ठहराव नैनपुर, बालाघाट, गोंदिया, डोंगरगढ़, राजनांदगांव और दुर्ग स्टेशनों पर होगा। ट्रैन में कुल 15 कोच होंगे, जिनमें 1 एसएलआरडी, 1 एसएलआरआरएम, 8 स्लीपर, 3 एसी-3 और 1 एसी-1 शामिल हैं।

खास-खबर

ऑटो चालक से चाकू की नोक पर लूट, सरोना की घटना

रायपुर। राजधानी में अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हो गए हैं कि अब वे रात के समय आम लोगों को अपना निशाना बना रहे हैं। ताजा मामला डीडी नगर थाना क्षेत्र का है, जहां कुछ बदमाशों ने एक ऑटो चालक से चाकू की नोक पर मोबाइल फोन और नकदी लूट ली। लूट के बाद आरोपियों ने ऑटो चालक के साथ मारपीट की और मौके से फरार हो गए।घटना सरोना स्थित बीएसयूपी कॉलोनी के पास की है। जानकारी के अनुसार, ऑटो चालक रिंकू साहू (निवासी चंगोरा भाटा) रात करीब 12:15 बजे रायपुरा चौक से दो सवारी लेकर सरोना बीएसयूपी कॉलोनी स्थित सालसर ग्रीन इलाके की ओर पहुंचा। तभी वहां पहले से घात लगाए बैठे तीन से चार बदमाशों ने ऑटो को रोक लिया।

बदमाशों ने ऑटो चालक को चाकू दिखाकर डराया और उसका मोबाइल फोन, लगभग 3000 रुपये नकद लूट लिए। इसके बाद आरोपियों ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट की और घटनास्थल से फरार हो गए। घटना के बाद ऑटो चालक किसी तरह डीडी नगर थाना पहुंचा और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मौके की नजाकत को देखते हुए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और कॉल डिटेल्स की भी जांच की जा रही है। लोगों का कहना है कि इस क्षेत्र में रात्रि गश्त बेहद कमजोर है, जिसका फायदा अपराधी उठा रहे हैं।

विकसित भारत के संकल्प में सक्रिय रूप से भाग ले रही है नारी शक्ति : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने एक्स पर साझा किए पोस्ट, नारी शक्ति पर रखे अपने विचार

नईदिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को एक्स पर नारी शक्ति को लेकर एक के बाद एक कई पोस्ट किए। विकसित भारत की यात्रा में महिलाओं द्वारा निभाई गई परिवर्तनकारी भूमिका का उल्लेख किया और पिछले 11 वर्षों के दौरान महिलाओं के नेतृत्व में विकास पर सरकार के ध्यान के बारे में बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी माताओं, बहनों और बेटियों ने ऐसा समय भी देखा है जब उनको हर कदम पर मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। लेकिन आज वे न केवल विकसित भारत के संकल्प में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं बल्कि शिक्षा से लेकर व्यवसाय तक हर क्षेत्र में उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं। मोदी ने आगे कहा कि पिछले 11 वर्षों में नारी शक्ति की सफलताएं सभी नागरिकों के लिए गर्व की बात हैं।

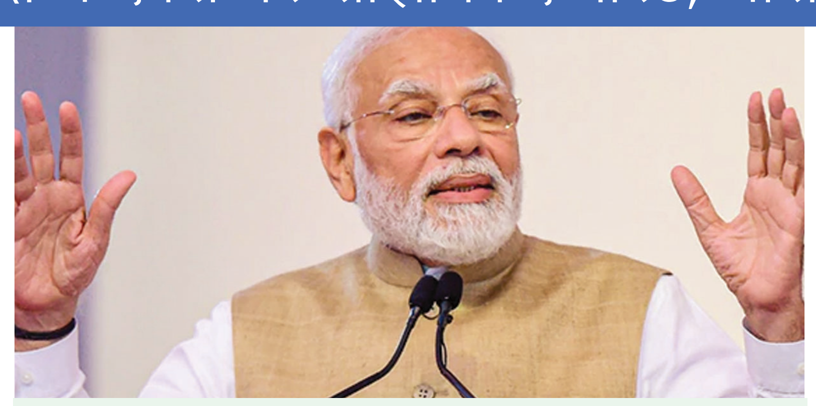

महिलाओं के नाम पर घरों का प्रावधान

पीएम आवास योजना के तहत महिलाओं के नाम पर घरों के प्रावधान ने भी उनकी सुरक्षा और सशक्तिकरण की भावना पर भी बहुत प्रभाव डाला है। प्रधानमंत्री ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को भी याद किया। उन्होंने इसे बालिकाओं की सुरक्षा के लिए एक राष्ट्रीय आंदोलन बताया। मोदी ने दृढ़ता के साथ कहा कि विज्ञान, शिक्षा, खेल, स्टार्टअप और सशस्त्र बलों सहित सभी क्षेत्रों में महिलाएं उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और कई लोगों को प्रेरित कर रही हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एनडीए सरकार ने कई प्रभावशाली पहलों के माध्यम से महिलाओं के नेतृत्व में विकास की नई भूमिका तय की है। इनमें स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से सम्मान सुनिश्चित करना, जन धन खातों के माध्यम से वित्तीय समावेशन और जमीनी स्तर पर सशक्तिकरण शामिल हैं। उन्होंने उज्ज्वला योजना को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। इससे कई घरों की रसोई धुंआ रहित हो गई। उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि कैसे मुद्रा ऋणों ने लाखों महिलाओं को उद्यमी बनने और स्वतंत्र रूप से अपने सपनों को पूरा करने में सक्षम बनाया है।

उज्ज्वला योजना से धुआं मुक्त हुए रसोई

स्वच्छ भारत के माध्यम से सम्मान सुनिश्चित करने से लेकर जन धन खातों के माध्यम से वित्तीय समावेशन तक, विभिन्न पहलों का ध्यान हमारी नारी शक्ति को सशक्त बनाने पर रहा है। उज्ज्वला योजना से कई घरों में रसोई धुआं मुक्त हो गई है। मुद्रा ऋणों ने लाखों महिला उद्यमियों को अपनी शर्तों पर सपने पूरे करने में सक्षम बनाया। पीएम आवास योजना के तहत महिलाओं के नाम पर घरों के प्रावधान ने भी बहुत प्रभाव डाला है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ ने बालिकाओं की सुरक्षा को एक राष्ट्रीय आंदोलन बना दिया। विज्ञान, शिक्षा, खेल, स्टार्टअप और सशस्त्र बलों सहित सभी क्षेत्रों में महिलाएं उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और कई लोगों को प्रेरित कर रही हैं।

महिलाओं के नेतृत्व में विकास की नई भूमिका तय

हमारी माताओं-बहनों और बेटियों ने वो दौर भी देखा है, जब उन्हें कदम-कदम पर मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। लेकिन आज वे ना सिर्फ विकसित भारत के संकल्प में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभा रही हैं, बल्कि शिक्षा और व्यवसाय से लेकर हर क्षेत्र में मिसाल कायम कर रही हैं। बीते 11 वर्षों में हमारी नारीशक्ति की सफलताएं देशवासियों को गौरवान्वित करने वाली हैं। पिछले 11 वर्षों में एनडीए सरकार ने महिलाओं के नेतृत्व में विकास की नई भूमिका तय की है।

सीएम साय और मंत्रिमंडल का चिंतन शिविर 2.0 शुरू आईआईएम रायपुर में दो दिवसीय शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों का दो दिवसीय चिंतन शिविर 2.0 रविवार को आईआईएम रायपुर में प्रारंभ हो गया है। छत्तीसगढ़ शासन के सुशासन एवं अभिसरण विभाग द्वारा भारतीय प्रबंधन संस्थान, रायपुर (आईआईएम) के सहयोग से दो दिवसीय चिंतन शिविर 2.0 का आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम के शुभारंभ के पश्चात रविवार को 'परिवर्तनकारी नेतृत्व और दूरदर्शी शासन', संस्कृति, सुशासन और राष्ट्र निर्माण तथा सक्षमता से सततता तक: विकास के लिए सार्वजनिक वित्त पर पुनर्विचार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सत्र का आयोजन किया जा रहा है। दो दिवसीय शिविर के दौरान भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे, प्रो. हिमांशु राय (डायरेक्टर आईआईएम इंदौर), डॉ. रविंद्र ढोलकिया (आईआईएम अहमदाबाद), संजीव सान्याल (प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद सदस्य), पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक उदय माहुरकर, ग्लोबल डिजिटल स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. राजेंद्र प्रताप गुप्ता जैसे ख्यातिप्राप्त विशेषज्ञ विभिन्न सत्र को संबोधित करेंगे।

हर दिन के साथ देश में बढ़ रहे हैं कोरोना के मामले, पिछले 24 घंटे में ही 378 नए केस

नईदिल्ली (एजेंसी)। पिछले दो-तीन हफ्तों में देशभर में कोरोना संक्रमण के मामलों में भारी उछाल आया है। 22 मई को कुल एक्टिव केस 257 थे जो देखते ही देखते 8 जून तक बढ़कर 6133 हो गए हैं। कोविड डैशबोर्ड पर साझा किए गए आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि पिछले 24 घंटे में ही 378 नए मामले रिपोर्ट किए गए हैं, जबकि 6 लोगों की कोरोना से मौत हुई है। इसमें से अकेले केरल में ही 144 लोगों को संक्रमित पाया गया है, गुजरात में 105 और पश्चिम बंगाल में 71 लोग एक दिन के भीतर ही संक्रमण की चपेट में आए हैं।

साझा किए गए डेटा से पता चलता है कोरोना संक्रमण से मरने वाले अधिकतर लोग 50 से अधिक उम्र के हैं और पहले से किसी न किसी प्रकार के गंभीर या क्रॉनिक बीमारियों का शिकार रहे हैं। संक्रमण का शिकार कम उम्र के लोग भी हो रहे हैं हालांकि अच्छी बात है कि ऐसे लोगों में गंभीर रोग विकसित होने का खतरा कम देखा जा रहा है। देशभर में बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सभी लोगों को बचाव के निरंतर उपाय करते रहने की सलाह दी है।

कोरोना के इन आंकड़ों पर डालिए नजर

इस साल के आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलता है कि 1 जनवरी से अब तक कोरोना से 6237 लोग संक्रमित होकर ठीक हो चुके हैं, पिछले 24 घंटे में ही 753 लोग संक्रमण से उबर चुके हैं। वहीं इस साल अब तक कोरोना के कारण 65 लोगों की मौत हुई है। इस बीच नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) ने देश में कोरोनावायरस से हुई मौतों का आधिकारिक आंकड़ा जारी किया है। सीआरएस के मुताबिक, देश में 2021 में सबसे अधिक लोग कोविड से मारे गए थे, जबकि 2019 में कोविड से सबसे कम मौतें हुई थीं।

इनकी तो मर्डर में भी शान

श्रीकंचनपथ

क्या किसी की हत्या करना शान की बात हो सकती है? हां, हो सकती है यदि वह लोग भारतीय हों और जाति, वर्ण आदि में उनकी अटूट आस्था हो। किसी और जाति में प्रेम संबंध स्थापित करना ऐसे परिवारों में इतना बड़ा गुनाह है कि इसे रोकने के लिए किसी की हत्या तक की जा सकती है। हत्या की इन वारदातों में मां, मामा, चचेरे-ममेरे और सगे भाई तक शामिल हो सकते हैं। ऐसी हत्याओं को देश में शान से ऑनर किलिंग कहा जाता है। अर्थात सम्मान की रक्षा के लिए हत्या करना। ऐसा नहीं है कि ऐसी हत्याएं केवल अनपढ़ और जाहिल करते हैं। खूब पढ़े लिखे भी इस तरह की घटनाओं को अंजाम देते पाए जाते हैं। परिवार की प्रतिष्ठा के लिए अपने ही बच्चों का कत्ल करने वाले ऐसे सिरफिरे अपनी बाकी उम्र जेल में काटने के लिए भी तैयार रहते हैं। इन्हें अपने किए पर कोई पछतावा नहीं होता। एक ऐसी ही घटना मेरठ से सामने आई है। 12वीं कक्षा में अध्ययनरत एक 17 साल की छात्रा की हत्या उसकी अपनी मां गला दबाकर कर देती है। इसमें उसके दोनों छोटे भाई मां की मदद करते हैं। बेटी की हत्या करने के बाद वह पहले अपने पति को खबर करती है। उसका पति सीआरपीएफ में है जो अभी छत्तीसगढ़ में तैनात है। इसके बाद वह अपने भाई को कॉल लगाती है। महिला के मायके से लड़की के मामा, उसके बेटे और मौसी के बेटे लाश को ठिकाने लगाने के लिए पहुंचते हैं। दरिन्दगी यहीं नहीं खत्म होती। मामा जंगल में ले जाकर दरांती से लड़की का सिर धड़ से अलग कर देता है। फिर शव और सिर को अलग-अलग बोरियों में पैक कर अलग-अलग नहरों में फेंक देता है। हत्यारे पहले तो नौटंकी करते हैं पर फिर पुलिस की सख्ती के आगे टूट जाते हैं। ऐसी घटनाओं को दरअसल, समाज का मौन समर्थन प्राप्त है। न जाने, जाति वर्ण औऱ सरनेम में ऐसी कौन सी चाश्नी लगी होती है जिसकी रक्षा करने के लिए लोग इस हद तक नीचे गिर जाते हैं। ऑनर किलिंग की यह कोई पहली घटना नहीं है। चूंकि देश में ऑनर किलिंग को अलग से अपराध नहीं माना जाता इसलिए इसके बारे में कोई आधिकारिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। कथित सम्मान की रक्षा के लिए केवल हत्याएं ही नहीं की जातीं बल्कि मारपीट कर स्वजाति के अधेड़ लोगों से शादी तक करवा दी जाती है। इससे जाति का सम्मान सुरक्षित रहता है। पता नहीं जाति, वर्ण का यह फितूर लोगों के दिमाग में आया कहां से। जिस भगवान श्रीराम की लोग आऱाधना करते हैं स्वयं उनकी पत्नी अपने शैशवावस्था में खेत में मिली थी, अर्थात गोद ली गई थी। वानर श्री हनुमान को वे भ्राता कहते थे। भील जाति की शबरी के जूठे बेर खाए थे। तो क्या श्रीराम की पूजा, आराधना और भक्ति केवल एक छलावा है? उनसे सीखा क्या?

Head Office : Bhagat Singh Chowk, Civil Line, Shankar Nagar, Raipur, Chhattisgarh | Branch : Shop no 12, Near Railway Line, Akashganga, Supela, Bhilai, Chhattisgarh

संपादकीय

हादसे के बाद जागी सिद्दरमैया सरकार, कठघरे में है कर्नाटक का शासन-प्रशासन

> *बेंगलुरु में आरसीबी की जीत के जश्न में भगदड़ से हुई मौतों के बाद कर्नाटक सरकार हरकत में आई है। सरकार ने पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है और जांच आयोग का गठन किया है। आयोजन के लिए आरसीबी इवेंट कंपनी और क्रिकेट एसोसिएशन जिम्मेदार ठहराए गए हैं। सरकार की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।*

अहमदाबाद में आरसीबी के आइपीएल खिताब जीतने पर बेंगलुरु में जश्न के दौरान मची भगदड़ से 11 मौतों के बाद हरकत में आई कर्नाटक सरकार इसी धारणा को पुष्ट करती है कि सांप निकल जाने के बाद लकीर पीटने में हमारे शासन तंत्र का कोई जवाब नहीं। हादसे के वक्त पूरी तरह दिशाहीन नजर आई कर्नाटक की सिद्दरमैया सरकार ने आनन-फानन पुलिस कमिश्नर समेत कई पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड करते हुए आरसीबी, इवेंट मैनेजमेंट कंपनी और कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के विरुद्ध एफआइआर दर्ज करने का आदेश दे दिया।

हादसे की जांच के लिए उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश माइकल डी कुन्हा की अध्यक्षता में एक सदस्यीय जांच आयोग भी बना दिया गया है, जिसे 30 दिनों में रिपोर्ट देनी है। संभव है सरकार की सक्रियता कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा बेंगलुरु हादसे का स्वत: संज्ञान लेकर सुनवाई करने का भी परिणाम हो।

इसमें दोराय नहीं कि जीत के जश्न के मौत के मातम में बदल जाने के लिए आरसीबी, इवेंट मैनेजमेंट कंपनी, कर्नाटक क्रिकेट ऐसोसिएशन और संबंधित पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी जिम्मेदार हैं, जो संभावित परिस्थितियों का सही आकलन करते हुए जरूरी व्यवस्था करने में नाकाम रहे। एक कारपोरेट की फ्रेंचाइजी टीम की खिताबी जीत का जश्न मनाने के लिए कार्यदिवस पर भी लाखों की संख्या में जुटे प्रशंसकों के संयम, अनुशासन पर भी सवाल उठते हैं, लेकिन खुशी के मौके के हादसे में तब्दील हो जाने देने के लिए अपनी जिम्मेदारी से राज्य की कांग्रेस सरकार मुक्त नहीं हो सकती।

फ्रेंचाइजी टीमों वाला आइपीएल क्रिकेट का बाजारीकरण है। खिलाड़ियों की बाकायदा नीलामी होती है। जो ज्यादा दाम लगाता है, क्रिकेटर उसी फ्रेंचाइजी की जर्सी पहन लेते हैं। फ्रेंचाइजी मालिकों के लिए क्रिकेट एक और कारोबार की तरह ही है, जिसमें टिकट बिक्री और प्राइज मनी समेत कमाई के कई स्रोत होते हैं। आइपीएल खेल के साथ मनोरंजन भी है और कारोबार भी, जैसा कि कुछ अन्य खेलों और विशेष रूप से फुटबाल के मामले में हैं।

आरसीबी का आइपीएल खिताब जीत कर बेंगलुरु पहुंचने पर उसके उत्साही प्रशंसकों में उत्साह होना समझा जा सकता है, लेकिन कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार उसका स्वागत करने एयरपोर्ट किस उपलक्ष्य में गए? विजेता टीम का बाकायदा विधानसभा परिसर में अभिनंदन किया गया, जिसमें राज्यपाल और मुख्यमंत्री समेत गणमान्य लोग मौजूद रहे। क्या कभी ऐसा स्वागत क्रिकेट की राष्ट्रीय चैंपियनशिप रणजी ट्राफी जीतने पर कर्नाटक की टीम का हुआ?

तमाम आइपीएल फ्रेंचाइजी अपनी टीमों के नाम से प्रदेश की अस्मिता जोड़ कर पेश करते हैं, ताकि प्रशंसक वर्ग तैयार कर सकें। आरसीबी के नाम के पहले दो शब्द शराब कारोबारी विजय माल्या की कंपनी के चर्चित ब्रांड रायल चैलेंजर्स से लेकर उसमें बेंगलुरु जोड़ दिया गया है, जहां उसका मुख्यालय है। आरसीबी के सबसे बड़े स्टार विराट कोहली दिल्ली के हैं। कप्तान रजत पाटीदार मध्य प्रदेश के और फाइनल के 'मैन आफद मैच' क्रुणाल पंड्या गुजरात के। यदि इस सबके बाद भी आरसीबी का खिताब जीतना कर्नाटक सरकार के लिए गौरव की बात थी तो भी सत्ता, आरसीबी प्रबंधन और पुलिस प्रशासन को बुनियादी सजगता बरतने से किसने रोका?

यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि ऊपरी दबाव के चलते ही पुलिस आनन-फानन आरसीबी की जीत का समारोह मनाने के लिए अनुमति देने को तैयार हुई। क्या राज्य सरकार इस जश्न के जरिये अपनी भी लोकप्रियता बढ़ाना चाह रही थी? लगता तो यही है। अगर शहर में कोई आयोजन हो रहा है तो वहां सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी है। अगर सरकार सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित नहीं कर सकती थी, तो उसे आयोजन ही नहीं होने देना चाहिए था, पर वह अपने दायित्व निर्वाह में पूरी तरह नाकाम साबित हुई। चिन्नास्वामी स्टेडियम में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी।

ट्रंप की टैरिफ नीति से सतर्क रहे भारत, समझौते पर आगे बढ़ने से पहले करना होगा गहन मंथन

सच तो यह है कि ट्रंप की टैरिफ नीति अमेरिका का अहित करते हुए उसके मुख्य प्रतिद्वंद्वी चीन को बढ़त दिलाने का आधार तैयार करेगी। अपने नागरिकों को आयकर से राहत दिलाने के फेर में ट्रंप उन्हें सस्ते चीनी सामानों की लत लगाने का जोखिम उठा रहे हैं। उनकी टैरिफ नीति अमेरिका के व्यापार साझेदारों के लिए किसी कड़े संदेश से कम नहीं।

अमेरिका की गिनती उन देशों में होती है, जो एक सुव्यवस्थित ढांचे से संचालित होता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी अप्रत्याशित नीतियों से इस ढांचे में हलचल मचाए हुए हैं। एक बड़ी हलचल उनकी टैरिफनीति के कारण मची है और उसका असर दुनिया भर में है। वह अपनी टैरिफ नीति से दूसरे देशों पर नकेल कसने और अमेरिकी खजाने को भरने का सपना पाले हुए हैं।

उन्होंने बड़े जोर-शोर से टैरिफ का एलान करते हुए उसे अमेरिकी इतिहास में 'लिबरेशन डे' यानी मुक्ति दिवस की संज्ञा दी थी। हालांकि अमेरिकी तंत्र के जरिये ही उनका यह सपना बिखरता दिख रहा है। उनकी टैरिफ नीति को कानूनी, आर्थिक एवं कूटनीतिक, सभी मोर्चों पर चुनौती मिल रही है। ट्रंप प्रशासन ने राष्ट्रीय आपातकाल का हवाला देते हुए जिस टैरिफ नीति की पैरवी की थी, उसे अमेरिकी संघीय अदालत ने राष्ट्रपति की प्राधिकारी शक्तियों की सीमा का उल्लंघन करार दिया। अदालत ने कहा कि कांग्रेस यानी संसद की निगरानी के बिना कार्यपालिका को अंतरराष्ट्रीय आपात आर्थिक शक्ति अधिनियम के प्रयोग का ऐसा अधिकार नहीं मिल सकता कि वह टैरिफ को लेकर मनमाने फैसले कर सके। वैसे अदालत ने ट्रंप की नीति पर अस्थायी रूप से रोक लगाई है और इसमें आगे सुनवाई जारी रहेगी, लेकिन वैश्विक व्यापार तंत्र पर इसके प्रभाव दिखने लगे हैं। कानूनी मोर्चे से जुड़ा यह मामला टैरिफनीति का आधा-अधूरा किस्सा है। व्यापार को लेकर ट्रंप का दृष्टिकोण विसंगतियों से भरा है। वह टैरिफ को किसी अक्षय निधि के रूप में देख रहे हैं कि इसके चलते लोगों को आयकर से मुक्ति दिलाई जा सकती है और अमेरिकी अर्थव्यवस्था का कायापलट हो सकता है। वास्तविकता के धरातल पर उनका यह भ्रम टूट रहा है।

टैरिफ के जरिये सरकारी खजाने को भरने की ट्रंप की संकल्पना की न केवल अदालतों, बल्कि सामान्य आर्थिक सिद्धांतों के आधार पर भी हवा निकल रही है। दरअसल ट्रंप ने दोबारा सत्ता में वापसी के साथ ही पहले कार्यकाल वाले अपने ढर्रे को आगे बढ़ाना शुरू किया है। टैरिफ को हथियार बनाना, आपात शक्तियों का उपयोग करना एवं संसद को दरकिनार करना उनकी कार्यप्रणाली के मूल में है।

राष्ट्रपति की कमान संभालते ही उनके प्रशासन ने अनाप-शनाप टैरिफ लगाकर कहा कि इसका उद्देश्य घरेलू उद्योगों को संरक्षण प्रदान करना और सरकारी खजाने की सेहत को सुधारना है, लेकिन अदालत ने उनकी इस राह में अवरोध पैदा कर दिया। अदालत ने कहा कि मनमाने आर्थिक फैसलों के लिए आपात शक्तियों को ढाल नहीं बनाया जा सकता। ट्रंप की टैरिफनीति की वजह से विधायिका और कार्यपालिका के बीच जो असंतुलन पैदा हुआ, उसे अदालत ने संतुलित करने का काम किया है, लेकिन यह सिर्फ अमेरिका का घरेलू कानूनी मसला नहीं है।

इसके चलते ब्रिटेन से लेकर भारत जैसे उन तमाम देशों के लिए अनिश्चितता बढ़ गई है, जो अमेरिका के साथ व्यापार समझौता वार्ता में लगे हैं। अगर राष्ट्रपति ट्रंप की मर्जी से टैरिफ नीति बने और अदालत उसे खारिज कर दे तो फिर कैसे स्थिर एवं दीर्घकालिक व्यापार समझौतों पर बात बन सकती है? वैसे ट्रंप के लिए यह कानूनी झटका आर्थिक मोर्चे पर भी उतना ही तगड़ा दिख रहा है। ट्रंप दोहरा रहे हैं कि दो लाख डालर से कम की आय वाले अमेरिकियों को आयकर नहीं देना होगा। इसके लिए वह विदेशियों की कमाई पर नजर गड़ाए हुए हैं।

सभी आयात पर 20 प्रतिशत टैरिफलगाने से सालाना 600 अरब डालर का राजस्व मिल सकता है

2024 में अमेरिकी सरकार ने 4.9 ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर राजस्व अर्जित किया। इसमें से केवल 100 अरब डालर की प्राप्ति आयात शुल्क से हुई। अगर इस साल मई तक इस संग्रह में 47 अरब डालर की बढ़ोतरी और मान ली जाए तो यह भी मामूली ही होगी। ट्रंप के सलाहकार पीटर नवारो का सुझाव है कि सभी आयात पर 20 प्रतिशत टैरिफ लगाने से सालाना 600 अरब डालर का राजस्व मिल सकता है। यह आकलन भी बुनियादी गणित पर खरा नहीं उतरता। आखिर ऊंचे टैरिफ को टिकने के लिए आधार भी तो चाहिए। जब टैरिफ बढ़ते हैं तो सामान्य रूप से आयात की मांग घट जाती है और इसके प्रतिक्रियास्वरूप जितना लाभ मिलता है, उससे अधिक नुकसान होने की आशंका रहती है। पेन व्हार्टन बजट माडल ने इस हानि को लेकर एक बहुत व्यावहारिक आंकड़ा 290 अरब डालर सालाना का दिया है। द टैक्स फाउंडेशन ने करीब 140 अरब डालर का अनुमान व्यक्त किया है। ये सभी आकलन ट्रंप के आयकर से राहत दिलाने वाले उस सपने से बहुत दूर रह जाते हैं, जिसकी पूर्ति के लिए 2025 में ही 740 अरब डालर की लागत आएगी। सच तो यह है कि ट्रंप की टैरिफ नीति अमेरिका का अहित करते हुए उसके मुख्य प्रतिद्वंद्वी चीन को बढ़त दिलाने का आधार तैयार करेगी। अपने नागरिकों को आयकर से राहत दिलाने के फेर में ट्रंप उन्हें सस्ते चीनी सामानों की लत लगाने का जोखिम उठा रहे हैं। उनकी टैरिफ नीति अमेरिका के व्यापार साझेदारों के लिए किसी कड़े संदेश से कम नहीं। स्टील-एल्युमीनियम को लेकर ब्रिटेन के साथ बात बनते-बनते बिगड़ गई। जापान, कनाडा और यूरोपीय संघ भी यह आकलन करने में लगे हैं कि टैरिफ को लेकर ट्रंप के पैंतरे में आखिर कितना दम है।

अटल पेंशन योजना- सभी को आर्थिक सुरक्षा और सम्मान

चित्रा जयसिम्हा एनपीएस ट्रस्ट की अध्यक्ष

वृद्धावस्था किसी भी व्यक्ति के जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होता है और दुनिया भर की सरकारें अपने लोगों के लिए जीवन के इस चरण को अधिक स्थिर, सम्मानजनक, तनाव मुक्त और आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने का प्रयास कर रही हैं। जनसंख्या के अनुमानों से संबंधित तकनीकी समूह की रिपोर्ट (जुलाई 2020) के अनुसार, भारत में बुजुर्गों की आबादी 2031 तक 19 करोड़ से अधिक हो जाने की उम्मीद है। यह आबादी उस समय की भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा होगी। वरिष्ठ नागरिकों की जनसंख्या में यह नाटकीय प्रत्याशित वृद्धि इन वृद्धों की सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देने की तात्कालिक आवश्यकता को रेखांकित करती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा 9 मई 2015 को अटल पेंशन योजना (एपीवाई) की शुरुआत की गई और भारत के असंगठित क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित करते हुए एक सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली का निर्माण किया गया।

यह योजना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के बीच बुढ़ापे की उम्र में पेश आने वाले जोखिमों को दूर करने में मदद करती है और श्रमिकों को स्वैच्छिक रूप से अपनी सेवानिवृत्ति के लिए बचत करने हेतु प्रेरित करती है। एपीवाई एक ऐसी स्वैच्छिक व आवधिक अंशदान-आधारित पेंशन प्रणाली है, जिसके तहत ग्राहक को उनके द्वारा किए गए अंशदान के आधार पर हर महीने 1000 रुपये, 2000 रुपये, 3000 रुपये, 4000 रुपये या 5000 रुपये की न्यूनतम गारंटीकृत पेंशन मिलेगी।

इस पहल का महत्व तब और भी बढ़ जाता है जब हम यह देखते हैं कि कुल रोजगार में अनौपचारिक क्षेत्र के कामगारों की हिस्सेदारी लगभग 85 प्रतिशत है। इस क्षेत्र में काम करने वाले या काम कर चुके बुजुर्गों की अधिकांश आबादी की रहन-सहन की स्थितियां गंभीर नीतिगत चिंता का विषय हैं। वर्ष 2031 तक बुजुर्गों की आबादी 20 प्रतिशत होने की उम्मीद है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि उस समय तक एक औसत भारतीय की जीवन प्रत्याशा 75 वर्ष की होगी, अटल पेंशन योजना निश्चित रूप से बुजुर्गों के लिए एक आकर्षक विकल्प है। कई विशेषज्ञों ने इस पेंशन योजना को सही ही राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) का एक विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया मॉडल बताया है, जो एनपीएस को समाज के आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के लिए सुलभ बनाता है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एपीवाई का जन्म एक ही उद्देश्य - वंचितों को पेंशन क्षेत्र के दायरे में लाने के लिए हुआ था। कुछ पुरानी योजनाओं में, पेंशन की राशि गरीब बुजुर्गों के लिए बहुत ही कम है। इसी तरह, तुलनीय योजनाओं के लिए, कवरेज से संबंधित सीमाएं एक बड़ी बाधा हैं। उदाहरण के लिए, ईपीएस केवल उन्हीं संगठनों पर लागू होता है जो कम से कम 20 व्यक्तियों को रोजगार देते हैं और अधिकांश रूप से संगठित क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करते हैं। इस आलोक में, एपीवाई न केवल आर्थिक रूप से कमजोर आबादी के एक बड़े हिस्से को अपने दायरे में लाता है, बल्कि यह 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने की दिशा में एनपीएस व मनरेगा जैसी भारत सरकार की अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और इसी तरह की अन्य योजनाओं का पूरक भी है।

नारी शक्ति के दृष्टिकोण को मजबूत करने के उद्देश्य से लैस इस योजना में महिलाओं की भारी भागीदारी देखी गई है। 31 मार्च, 2025 तक इस योजना के कुल ग्राहकों में महिलाओं की हिस्सेदारी 48 प्रतिशत से अधिक है। अनौपचारिक क्षेत्र पर जोर देने के साथ, एपीवाई स्वाभाविक रूप से उन प्रमुख समूहों को लाभ पहुंचाता है, जिन्हें अक्सर चार प्रमुख जातियों के रूप में निरुपित किया जाता है। इनमें गरीब और महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा, वृद्धावस्था पेंशन का संबंध केवल पैसे से ही नहीं है। इसका एक गहरा महत्व है। गरीबों और महिलाओं को इसके जरिए जो मानसिक शांति और सम्मान मिलता है, वह बेहद संतोषजनक है।

31 मार्च 2025 तक, एपीवाई के तहत ग्राहकों की कुल संख्या 7.6 करोड़ है और प्रबंधन के तहत परिसंपत्ति (एयूएम) 44,781 करोड़ रुपये की है। वित्तीय वर्ष 2024-2025 के दौरान, इसमें 1.17 करोड़ ग्राहक और 8250 करोड़ रुपये का एयूएम जुड़ गया है, जिससे इसके ग्राहक आधार में 15.4 प्रतिशत और एयूएम के विकास में 22.5 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। एपीवाई के तहत कुल सकल नामांकन के मामले में शीर्ष पांच राज्य उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु हैं। इसलिए, एपीवाई का लक्ष्य भारत के क्षेत्रीय रूप से वंचित लोगों के वित्तीय समावेशन को कार्यान्वित करना है ताकि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के प्रमुख नीतिगत लक्ष्य को हासिल किया जा सके। वर्ष 2035 एक ऐतिहासिक वर्ष होगा। यह वह वर्ष होगा जब बहुप्रतीक्षित अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के ग्राहकों को मासिक पेंशन की पहली किश्त मिलनी शुरू हो जाएगी।

अटल पेंशन योजना के जरिए, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत मुख्य रूप से स्व-नियोजित, अनियमित (कैजुअल), गिग, प्लेटफार्म श्रमिकों के लिए पेंशन कवरेज सुनिश्चित की जाती है।

हालांकि भविष्य में जीवन प्रत्याशा और मुद्रास्फीति-सूचकांक में होने वाली वृद्धि को देखते हुए, दीर्घकालिक अवधि में वृद्धावस्था में आय संबंधी सुरक्षा प्रदान करने की दृष्टि से मौजूदा व्यवस्थाओं की पर्याप्तता एक चुनौती होगी। हालांकि, कुल मिलाकर अटल पेंशन योजना आम जनता के लाभ के लिए वित्तीय एवं सामाजिक, दोनों ही मानदंडों पर एक सुविचारित योजना है। एपीवाई बुजुर्गों के लिए उनके बुढ़ापे में एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में बेहद अहम साबित होगी।

भारत की बढ़ती सामाजिक सुरक्षा समावेशी कल्याण एवं आर्थिक सुरक्षा के प्रति इसकी मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह एक ऐसा उभरता हुआ परिदृश्य है, जिसमें दायरे का विस्तार करने, मौजूदा योजनाओं को मजबूत करने और विविध कार्यबल की चुनौतियों का समाधान करने पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। इसका लक्ष्य अपने सभी नागरिकों के लिए एक अधिक समावेशी और मजबूत सामाजिक सुरक्षा प्रणाली तैयार करना है।

ग्रोथ पर दांव

भारतीय रिजर्व बैंक ने आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए रेपो दरों में 0.5 प्रतिशत की कटौती की है, जो विशेषज्ञों के अनुमान से अधिक है। साथ ही, कैश रिजर्व रेश्यो में 1 प्रतिशत की कमी की गई है, जिससे बैंकों के पास कर्ज देने के लिए अधिक धन उपलब्ध होगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने इकॉनमिक ग्रोथ बढ़ाने के लिए शुक्रवार को रेपो दरों में आधा फीसदी की कटौती की, जबकि एक्सपर्ट्स इसमें 0.25 प्रतिशत कमी का अनुमान लगा रहे थे। इसके साथ, उसने कैश रिजर्व रेश्यो में 1 प्रतिशत की कमी का ऐलान किया। इससे बैंकों के पास पैसा और बढ़ेगा, जिसका इस्तेमाल वे कर्ज बांटने में कर सकेंगे। ऐसे में सस्ती दरों पर कर्ज लेकर कंपनियां नए निवेश करती हैं और उपभोक्ता खर्च करते हैं तो अर्थव्यवस्था को इससे सपोर्ट मिलेगा।

वैश्विक चुनौतियां: रिजर्व बैंक ने लगातार तीसरी बार दरों में कटौती की है। इससे पहले उसने कहा था कि उसका ध्यान इकॉनमिक ग्रोथ को तेज करने पर है। आरबीआई के लिए रेपो दरों और कैश रिजर्व रेश्यो में कटौती करना इसलिए संभव हुआ क्योंकि उसे मौजूदा वित्त वर्ष में महंगाई दर के लक्ष्य से अंदर रहने की उम्मीद है। लेकिन यूक्रेन-रूस युद्ध और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफसंबंधी अनिश्चितताओं के कारण ग्रोथ की राह चुनौतीपूर्ण हो गई है।

ग्रोथ पर दबाव: जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में भारत की जीडीपी ग्रोथ उम्मीद से अधिक 7.4 प्रतिशत पहुंच गई, लेकिन वित्त वर्ष 2025 के लिए यह 6.5त्न ही रही। यह पिछले चार वित्त वर्षों में सबसे कम विकास दर है। गौर करने की बात यह भी है कि इससे पिछले वित्त वर्ष यानी 2024 में यह 9.2 प्रतिशत रही थी। स्पष्ट है कि विकास दर में गिरावट का रुख है। इस बीच, वैश्विक स्तर पर परिदृश्य मुश्किल दिख रहा है।

खर्च बढ़ने की आशा: इसी वजह से जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में शानदार ग्रोथ के बावजूद रिजर्व बैंक ने कैश रिजर्व रेश्यो में बड़ी कटौती के साथ रेपो दरों में भी बड़ी कमी की है। इससे बिजनेस सेंटिमेंट और कंस्यूमर सेंटिमेंट में सुधार होगा। पिछले बजट में 12 लाख तक की आमदनी पर टैक्स छूट का ऐलान किया गया था ताकि लोगों के हाथ में अतिरिक्त खर्च करने के लिए पैसा बचे।

साकार हुआ एक बड़ा सपना, कश्मीर से कन्याकुमारी रेल नेटवर्क से जुड़ा भारत

वंदेभारत एक्सप्रेस के शुरू होने से कटड़ा और श्रीनगर रेल सेवा से जुड़ गए हैं। यह रेल नेटवर्क पाकिस्तान और विश्व समुदाय को संदेश है कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। मोदी सरकार ने इस परियोजना को पूरा करके दिखाया कि भारत विकास के पथ पर अग्रसर है। यह राष्ट्रीय एकता और सामाजिक-आर्थिक विकास का प्रतीक है।

उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल नेटवर्क परियोजना के पूरा होने और वंदेभारत एक्सप्रेस के जरिये कटड़ा से श्रीनगर रेल सेवा का शुभारंभ होने के साथ कश्मीर से कन्याकुमारी की धारणा न केवल नए रूप में नए सिरे और पुष्ट हुई, बल्कि यह भी स्पष्ट हुआ कि भारत सरकार जम्मू-कश्मीर का समग्र विकास करने और अपने इस अभिन्न भूभाग को हर संभव तरीके से विकास के जरिये राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

यह रेल नेटवर्क कश्मीर की जनता के साथ-साथ पाकिस्तान और विश्व समुदाय को भी एक संदेश है। यह संदेश यही है कि पाकिस्तान कश्मीर की बेतुकी रट लगाना बंद करे और विश्व समुदाय भारत-पाक के बीच विवाद को कश्मीर से जोड़कर देखने की अपनी संकीर्ण प्रवृत्ति का परित्याग करे। इस परियोजना का पूरा होना कितना बड़ा और अनोखा काम है, इसे जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के इस कथन से समझा जा सकता है कि जो अंग्रेज नहीं कर पाए, वह आपके राज में हो गया प्रधानमंत्री मोदी जी। यह रेल नेटवर्क और विशेष रूप से चिनाब नदी पर बना विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे पुल भारत की इंजीनियरिंग, तकनीकी कौशल के साथ इसका भी परिचायक है कि भारत अब कुछ भी करके दिखा सकता है और देश के साथ दुनिया को भी चमत्कृत कर सकता है।

यह उल्लेखनीय है कि पहलगाम में भीषण आतंकी हमले और उसके जवाब आपरेशन सिंदूर के बाद उपजे हालात के बीच भारत ने यही जताया कि वह किसी भी तरह की चुनौतियों का सामना करते हुए राष्ट्र निर्माण के अपने पथ से नहीं डिगेगा। इस रेल परियोजना का सपना दशकों पहले देखा गया था। समय-समय पर विभिन्न सरकारों ने इस परियोजना को आगे बढ़ाने के प्रयत्न किए, लेकिन एक समय असंभव से माने जाने वाले इस काम को मोदी सरकार ने जिस तत्परता और संकल्प के साथ पूरा कर दिखाया, वह अपने आप में एक मिसाल है।

यह रेल नेटवर्क भारतीय रेलवे की सबसे कठिन और महत्वाकांक्षी रेल परियोजना है। इसका महत्व इसलिए और अधिक बढ़ जाता है, क्योंकि यह राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक-आर्थिक विकास का बड़ा वाहक बनने जा रही है। इस परियोजना को साकार करते समय प्रतिकूल मौसम के साथ जटिल भूगर्भीय चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा। इस परियोजना को पूरा करने में मोदी सरकार की प्रतिबद्धत्ता को रेखांकित करने के साथ रेलवे और अन्य अनेक विभागों के उन कर्मचारियों एवं अधिकारियों के योगदान की भी सराहना करनी होगी, जो दुर्गम परिस्थितियों, निर्माण की कठिन चुनौतियों से जूझते हुए कर्तव्य पथ पर डटे रहे और आतंकी हमलों के खतरे का भी सामना करते रहे। उन्हें सुरक्षित रखने के लिए सुरक्षा बलों के जवानों को भी अतिरिक्त चौकसी बरतनी पड़ी। यह परियोजना हर दृष्टि से एक गौरवशाली राष्ट्रीय उपलब्धि है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

बीएसपी द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर-2025 का समापन

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र तत्वाधान में क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर–2025 का समापन 05 जून 2025 को पंत स्टेडियम, सेक्टर–1 के फुटबाल ग्राउंड में संध्याकाल सम्पन्न हुआ। समापन समारोह के अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक सुब्रत मुखोपाध्याय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे व विशिष्ठ अतिथि के तौर पर कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक डॉ. रविन्द्रनाथ एम, मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर, मुख्य महाप्रबंधक उत्पल दत्ता, ओ.ए. के महासचिव परविन्दर सिंह, महाप्रबंधक विजय कुमार शर्मा एवं पूर्व मुख्य महाप्रबंधक राजीव कुमार श्रीवास्तव मौजूद रहे। महत्व, बारीकियों और गरिमा के संबंध में संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों से राष्ट्रीय स्तर पर खेलने हेतु योग्य बनने की कामना की।

कैपिटल रिपेयर के बाद कोक पुशर-7 का उद्घाटन

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग (सीओ एंड सीसीडी) में 06 जून 2025 को कोक पुशर–7 के सफल कैपिटल रिपेयर के पश्चात् पुनः प्रचालन प्रक्रिया में शामिल किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार ने कोक पुशर–7 का उद्घाटन किया। यह उपलब्धि संयंत्र की तकनीकी दक्षता, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और आत्मनिर्भरता की ओर एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में दर्ज की गई। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी बिजय कुमार बेहरा, मुख्य महाप्रबंधक तुलाराम बेहरा, मुख्य महाप्रबंधक पी.के. सिंह एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार ने कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग की पूरी टीम को बधाई दी और कहा कि इस तरह की आत्मनिर्भर रखरखाव रणनीतियाँ उत्पादन निरंतरता बनाए रखने के साथ–साथ संयंत्र की दीर्घकालिक दक्षता और तकनीकी आत्मनिर्भरता को भी सुदृढ़ करती हैं। उन्होंने ऐसे प्रयासों को संयंत्र की सतत प्रगति और नवाचार–संस्कृति का उदाहरण बताया। कोक पुशर–7 के कैपिटल रिपेयर का कार्य दिसंबर 2023 में प्रारंभ हुआ था, जिसे मई 2025 में पूरी तरह संयंत्र के आंतरिक संसाधनों एवं विभागीय विशेषज्ञता से सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।

इन हाउस मॉडल से आधार आपरेटर्स पर बेरोजगारी का संकट, किट की कमी से बंद होगा काम

आधार ऑपरेटर्स ने इन-हाउस मॉडल सहित अन्य समस्याओं पर रखी अपनी बात

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इन दिनों दुर्ग जिले में काम करने वाले आधार ऑपरेटर्स पर बेरोजगारी का संकट मंडरा रहा है। इन–हाउस मॉडल के कारण दुर्ग जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में सेवा देने वाले 35 से 40 आधार ऑपरेटर्स का काम बंद हो जाएगा। पर्याप्त मात्रा में किट उपलब्ध नहीं होने के कारण यह समस्या सामने आई है। ऑपरेटर्स का अनुरोध है कि इन–हाउस मॉडल को केवल उन जगहों पर लागू किया जाए जहां किट उपलब्ध हैं, और शेष आधार केंद्रों को तब तक यथावत चलने दिया जाए जब तक कि दूसरे चरण में किट उपलब्ध न हो, तथपश्चात बचे आधार सेंटर को इनहाउस माडल में परिवर्तित किया जाए।

इन–हाउस मॉडल के तहत आधार ऑपरेटर्स को 1.50 लाख रुपए की सिक्योरिटी राशि जमा करने कहा जा रहा है जो कि अत्यधिक है। छत्तीसगढ़ आधार सेवा समिति की मांग है कि इसे कम कर 50000 रुपए की एफडी राशि को ज्वाइंट एफडी के रूप में लिया जाए, जैसा कि ई–डिस्ट्रीक में होता था। ऑपरेटर्स ने मांग की है कि चिप्स (CHIPS) द्वारा आधार कार्य में हुई त्रुटियों पर पेनाल्टी लिस्ट जारी की गई है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किस त्रुटि के लिए कितनी पेनाल्टी है और वह किस समय की है। इसके अतिरिक्त, उन्हें 2021 के बाद नए पंजीकरण और अनिवार्य बायोमेट्रिक से मिलने वाले कमीशन का हिसाब और भुगतान नहीं मिला है। आपसे अनुरोध किया है कि पेनाल्टी और कमीशन का विवरण उपलब्ध करावाये ।

लोक सेवा केंद्र आधार संचालन की मिले अनुमति

समित के आधार आपरेटर्स का कहना है कि वर्तमान में लोक सेवा केंद्र सरकारी स्थानों पर चल रहे हैं, जहां सभी लोक सेवा केंद्र के लोक सेवक आधार ऑपरेटर्स भी हैं और आधार का काम कर रहे हैं। ऑपरेटर्स के निलंबन के बाद जब आधार का काम फिर से शुरू होता है, तो उन्हें किसी अन्य स्थान पर काम करने के लिए भेजा जाता है, जिससे उन्हें लोक सेवा का कार्य करने में समस्या होती है। समिति ने अनुरोध किया है कि लोक सेवा केंद्र के आधार ऑपरेटर्स को उनके सेवा केंद्र में ही आधार संचालन की अनुमति दी जाए।

आधार ऑपरेटर्स और चिप्स के कार्य में हो पारदर्शिता

आधार के काम में त्रुटि होने पर 1,000 से 1 लाख रुपए तक का जुर्माना और 1 साल से 5 साल तक के निलंबन का प्रावधान है। ऑपरेटर्स का कहना है कि वे जानबूझकर गलती नहीं करते हैं और नियमों के अनुसार ही दस्तावेज लेते हैं और काम करते हैं। इसके बावजूद पैकेट रिजेक्ट हो जाते हैं। उन्हें रिजेक्शन का विवरण या कारण नहीं बताया जाता है, जिससे वे गलती में सुधार नहीं कर पाते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यूआईडीएआई की सूची के अनुसार नाम की त्रुटि और विवाह प्रमाण पत्र से विवाहित महिला का उपनाम बदला जा सकता है, लेकिन इन दस्तावेजों से 60 से 70त्न आवेदन अमान्य आईडी के कारण खारिज हो जाते हैं।

पर्याप्त दस्तावेज होने के बाद भी आवेदन खारिज

आधार आपरेटर्स का कहना है कि उन्हें यह समझ नहीं आया कि कुछ लोगों का काम उसी दस्तावेज से बन गया, जबकि दूसरों का खारिज हो क्यों जाता है। नाम परिवर्तन के लिए राजपत्र प्रकाशन के साथ पुराने नाम का एक आईडी चाहिए होता है, जो 18 वर्ष से अधिक उम्र के आवेदकों के लिए उपलब्ध होता है, लेकिन 18 वर्ष से कम उम्र के लोगों के पास ऐसा कोई दस्तावेज नहीं होता है। ऑपरेटर्स ने बताया कि उन्हें प्रशिक्षण में कभी स्कूल आईडी लगाने को कहा गया, फिर खाता लगाने को कहा गया, लेकिन दोनों ही मामलों में आवेदन खारिज हो गए। इसके लिए ऑपरेटर्स को पेनल्टी देनी पड़ी जिसका उन्हें कोई पुख्ता सबूत भी नहीं दिया गया। समिति ने मांग की है कि उक्त विषयों पर गंभीरता पूर्वक विचार कर समाधान कर यथासंभव सहायता करें।

पार्किंग प्लेस पर जवाहर मार्केट के व्यापारी हुए लामबंद, दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पावर हाउस जवाहर मार्केट में पुराने रोजगार कार्यालय परिसर के पार्किंग प्लेस का विवाद अब बढ़ता जा रहा है। बीएसपी प्रबंधन के खिलाफजवाहर मार्केट के व्यापारी अब लामबंद हो गए। जवाहर मार्केट व्यापारी संघ ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और बीएसपी के निर्णय का विरोध जताया। जवाहर मार्केट व्यापारी संघ के अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा ने कहा है कि बीएसपी प्रबंधन इस मसले को सुलझाए अन्यथा व्यापारियों द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा।

ओम प्रकाश शर्मा ने बताया कि भिलाई स्टील प्लांट द्वारा ही जवाहर मार्केट को बसाया गया था और व्यापारियों को अलॉटमेंट दी थी। बीएसपी द्वारा अन्य कई मार्केट बसाए गए जिनमे भी पार्किंग की व्यवस्था की गई। जवाहर मार्केट और उस समय कार्यरत रोजगार कार्यालय के लिए यह पार्किंग स्थल संयुक्त रूप से प्रयुक्त होता रहा है। इसपर कब्ज़ा करने की किसी की मंशा नहीं है प्रमाण यह है की पिछले 30 40 सालो से यहां पर किसी प्रकार का निर्माण व्यापारियों द्वारा नहीं किया गया है।

बीएसपी द्वारा एकतरफा अन्य मार्केट जैसे सिविक सेंटर में तो अब अतिरिक्त पार्किंग कि व्यवस्था की जा रही है और दूसरी तरफपॉवर हाउस कैम्प 2 मार्केट के पाकिंग स्थाल को हड़पने की कोशिश की जा रही है। पुराना रोजगार कार्यालय परिसर को पिछले 30–40 वर्षों पार्किंग के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। इस स्थान पर आम जनों की सुविधा देखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई ने यहां पेवर ब्लाक लगवाए थे। यही नहीं इस प्लेस को मल्टीलेवल पार्किंग बनाने के लिए बीएसपी प्रबंधन से कई बार एनओसी मांगी गई लेकिन कभी भी एनओसी नहीं मिली।

बिना नोटिस के पार्किंग प्लेस छीनना गैरकानूनी

ओम प्रकाश शर्मा ने बताया कि बीएसपी प्रबंधन द्वारा पूर्व में किसी भी प्रकार का नोटिस नहीं दिया गया। बिना किसी नोटिस के बीएसपी द्वारा अतार्किक और गैरन्यायिक तरीके से बलपूर्वक खाली कराने के लिए प्रयास किया जा रहा है। जवाहर मार्केट, सर्कुलर मार्केट, सब्जी मंडी एवं पॉवर हाउस मार्केट के सभी व्यापारी इसका विरोध करते हैं। इसकी जानकारी के लिए बीएसपी में दो बार जन सूचना के लिए आवेदन भी लगाया गया। इस अनुचित प्रयास के विरोध में हमने आज सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी बीएसपी प्रशासन द्वारा गैर न्यायिक कार्रवाई की तो हम उग्र आन्दोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इसकी जानकारी सांसद विजय बघेल, पूर्व मंत्री प्रेमप्रकाश पांडे, विधायक रिकेश सेन, कलेक्टर दुर्ग, एसपी दुर्ग, आयुक्त नगर निगम आदि को दी गई है।

विकसित व्यापार के लिए गेटवे ऑफ बस्तर धमतरी में अजय भसीन के नेतृत्व में निर्यात पर कार्यशाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छतीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के महामंत्री अजय भसीन अपने नवीन कार्यकाल में व्यापारियों के उत्थन के लिए जिले के दौरे में अपनी टीम के साथ बस्तर के गेटवे यानी धमतरी पहुँचे। धमतरी में विकसित व्यापार की संभावना को देखते धमतरी के व्यापारियों से मुलाकात की । व्यापारियों व स्टार्टअप उद्यमियों के साथ बैठक कर निर्यात नीति पर चर्चा की।

धमतरी व्यवसायियों व उद्यमियों के साथ एक कार्यशाला का भी आयोजन किया।इस कार्यशाला में आयात–निर्यात के अवसर और वैशविक व्यापार की संभावनाए इस विषय पर संगोष्ठी की गई। कार्यशाला में महामंत्री अजय भसीन ने कहा कि धमतरी बस्तर के व्यापार द्वार है अभी धमतरी से चावल , वनोपज जड़ी बूटियां व अन्य अनेक उत्पाद निर्यात होते ही है और संभावनाएं भी बहुत है वैश्विक बाजार से जोड़ने के लिए ऐसी कार्यशालाये उपयोगी साबित होंगी। आई आई एफ टी कोलकाता के प्रोफेसर डॉ रंगराजन जी ने निर्यात नीति पर अपने विचार रखे और युवा व्यापारियों को निर्यात के लिए जल्द तैयार होने का हौसला दिया।जिला उद्योग केंद्र से सुरेंद्र पूरी गोस्वामी और सुमना दास जी ने भी उद्योग व नीतियों पर आंकड़े प्रस्तुत किये।भसीन जी ने बताया कि बस्तर को वैश्विक बाजार से जोड़ने अगले सप्ताह जगदलपुर में कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

इस कार्यशाला में चेम्बर ऑफ कामर्स द्वारा एक देश एक चुनाव का प्रस्ताव महामंत्री अजय भसीन ने व्यापारियों के मध्य अपनी बात रखते हुए कहा कि बार बार चुनाव देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर करते है।एक देश एक चुनाव होना चाहिए।सभी व्यापारियों ने एक मत से इस प्रस्ताव को समर्थन दिया।

70 करोड़ पुरूषों के लिए टूरा फांउडेशन ने की आयोग की मांग, बाइकर्स भी इसी मांग को सरकार के सामने रखते हुए पूरे देश में कर रहे राइड

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेव इंडियन फैमिली के दुर्ग–भिलाई इकाई टूरा फाउंडेशन द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन शिव मानस गणेश उत्सव समिति सेक्टर 10 के डोम शेड में कल आयोजित किया गया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में सेक्टर 10 की पार्षद सुभद्रा सिंह मौजूद थी। सबसे पहले हमारे अध्यक्ष प्रवीण कालमेघ ने पार्षद को गुलदस्ता देते हुए उनका स्वागत किये। तीन मोटर साइकिल चालकों का गर्म जोशी से स्वागत किया गया जिनका नाम डॉक्टर अमजद खान, संदीप पावर और गौरव मल्होत्रा जिनके नाम कई विश्व कीर्तिमान स्थापित है।

इनके साथ ही विशाखापट्नम से बाइकर्स श्रीनिवास एवं नरेश भी जुड़ गए थे जिनका भी स्वागत किया गया। टूरा फाउंडेशन से यहाँ अध्यक्ष प्रवीण कालमेघ, सचिव अर्घो बिस्वास, कोषाध्यक्ष सौरभ बनर्जी, टेकराम वर्मा, देवेंद्र गुप्ता, अभिषेक यादव, द्वारिका साहू, तुलसी रेड्डी, लोकेश कुमार, इत्यादि उपलब्ध थे।

इस बाइक राइड का नाम राइड फॉर मैन कमीशन (क्रमांक–2) है। इस राइड का आयोजन पुरूषों के लिए काम करने वाली संस्थाएं मैन वैलफेयर ट्रस्ट और सेव इंडियन फैमिली मूवमेंट स्ढ्ढस्न है। स्ढ्ढस्न मूवमेंट भारत में 40 एनजीओ का संचालन करती है। वह पुरूषों के लिए 8882498498 निशुल राष्ट्रव्यापी हेल्पलाइन का संचालन भी करती है। पिछले साल इस राइड ने 36 से ज्यादा विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किए थे। यह राइड 31 मई को फरीदाबाद से चलकर 7 जून को भिलाई पहुंची, यह बाइकर भारत के 20 राज्यों से होकर 16000 किमी का लंबा सफर 36 दिन में पूरा करेगी। इस राइड का उद्देश्य देश में पुरूषों की बढ़ती आत्महत्याएं, पुरूषों के संरक्षण के लिए कानूनों का अभाव और देश में पुरूषों के मुद्दों के लिए पुरुष आयोग बनाने के लिए मांग करना है और सड़क सुरक्षा के लिए लोगों को जागरूक करना है। इसके अलावा बाइक राइडर्स लोगों को सड़क पर सुरक्षित गाड़ी चलने पर भी जागरूक कर रहे हैं।

पार्षद सुभद्रा सिंह ने पहले तो सभी बाइकर्स का ज़ोर शोर से स्वागत किया। फिर उन्होंने इस जागरूकता अभियान की खुल के तारीफकी। उनका कहना है कि चाहे कोई भी समुदाय या जाती हो, न्याय में पक्षपात नहीं होना चाहिए। जब भी एक समुदाय या जेंडर की ओर कानून पक्षपाती होता है इससे समाज की ही अहित होती है। आजकल देखा गया है की पुरुष के खिलाफकिसी भी महिला के एक कंप्लेंट पर ही बिना किसी जांच के ही अरेस्ट करने की कोशिश की जाती है। इससे बेगुनाह पुरुषों एवं उनके परिवार को परेशानी का सामना करना पड़ता है एवं कई बार इससे लोग गलत कदम उठा लेते हैं। जैसा की NCRB डाटा के हिसाब से सालाना 1 लाख 20 हज़ार पुरुष आत्महत्या करते दिखते हैं, इससे जान पड़ता है की पुरुषो के लिए सोचने के लिए आयोग की ज़रूरत है। अतः सरकार को पुरुष आयोग बनाने की ओर विचार करना चाहिए।

टूरा फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रवीण ने मीडिया को अवगत कराया। भारत में जानवरों पेड़ पौधों के आयोग है, मगर 70 करोड़ पुरूषों के लिए कोई आयोग नहीं है। जिसके कारण हर 4.5 मिनट में एक पुरुष आत्महत्या कर रहे है और कोई आयोग मंत्रालय ना होने के कारण, पुरूषों के मुद्दों पर काम नहीं हो पा रहा है और आत्महत्याएं हर साल बढ़ते जा रहे । इसके अलावा आजकल ख़बरों में पतिओं एवं अन्य पुरुषों की हत्या करवा देने की ख़बरें रोज़ आते हैं। crime against men को अभी भी उस गंभीरता से नहीं लिया जाता जितना crime against women को लिया जाता है।

इसलिए यह बाइकर्स भी इसी मांग सरकार के सामने रखते हुए एवं पुरे देश में जागरूकता फ़ैलाने हेतु पुरे देश में बाइक राइड कर रहे हैं । पुरुष भी इस देश के नागरिक है उनके अधिकारो और उनकी कानूनी सुरक्षा को ध्यान रखते हुए पुरुष आयोग का गठन जल्द से जल्द होना चाहिए। इसके अलावा जितने भी एक पक्षीय कानून है उनको बदल कर लिंग तटस्थ करने की मांग भी रख रहे हैं।

अतुल सुभाष के मार्मिक आत्महत्या के बाद से खबरों के अनुसार पुरुषो के आत्महत्या एवं पुरुषों पर हो रहे अपराध की संख्या इस वेबसाइट पर अपडेट किया जाता है जो की सेव इंडियन फॅमिली मूवमेंट द्वारा संचालित किया जाता है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

निर्जला एकादशी पर अग्रवाल महिला मंडल ने राहगियों को वितरित किए आम व रसना

रायपुर। निर्जला एकादशी के अवसर पर छत्तीसगढ़ अग्रवाल संगठन रायपुर के जिला इकाई महिला मंडल के सदस्यों ने अशोक रत्न के शिव मंदिर के सामने आने-आने वाले राहगिरो व बच्चों को रसना एवं 50 किलो आम का वितरण किया। इस अवसर पर मीडिया प्रभारी ज्योति अग्रवाल, कार्यक्रम संरक्षिका अनीता अग्रवाल, अध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल, पदाधिकारी सचिन सारिका खेतान, संतोष धनोदिया, पिंकी धनोदिया, सीता अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, राखी खेतान, पदमा अग्रवाल, ऊषा महेश्वरी, उषा श्रॉफउपस्थित थी।

महंत डॉ. रामसुंदर दास के जन्म दिवस पर वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन ने किया सम्मान

रायपुर। राजेश्री महंत डॉ. रामसुंदर दास के जन्म दिवस के अवसर पर वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन के पदाधिकारी संभागीय अध्यक्ष नितिन कुमार झा की अगुवाई में उनसे भेंटकर

शॉल एवं बुके भेंटकर उनका सम्मान किया तथा स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामनायें कीं। इस अवसर पर वरिष्ठ मार्गदर्शक दशरथ प्रसाद शुक्ला, प्रदेश महासचिव डॉ. सुनील कुमार ओझा, सलाहकार रज्जन अग्निहोत्री, प्रदेश उपाध्यक्ष यशवंत पुरोहित, गौड़ ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष किशन बाजारी, अखिल भारतीय हिन्दू महासभा के प्रदेश संरक्षक खड़ानंद मिश्रा, कोषाध्यक्ष राघवेंद्र पाठक, संभागीय सचिव सतीश शर्मा, उपाध्यक्ष रवि शर्मा, उमेश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

कबीर जयन्ती पर 11 जून को बंद रहेंगे मांस मटन की दुकानें

रायपुर। कबीर जयन्ती के अवसर पर 11 जून को मांस - मटन का विक्रय पूर्ण रूप से

राजधानी रायपुर में प्रतिबंधित रहेगा। इस सम्बन्ध में छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आदेश के परिपालन में रायपुर नगर पालिक निगम के स्वास्थ्य विभाग की ओर से नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणीग्रही ने कबीर जयन्ती 11 जून 2025 को रायपुर नगर पालिक निगम के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में स्थित पशुवध गृह एवं समस्त मांस - मटन विक्रय की दुकानों को बंद रखे जाने का आदेश जारी किया है। इस दौरान किसी भी दुकान में मांस - मटन विक्रय करते पाये जाने पर मांस - मटन जप्त करने की कार्यवाही की जायेगी और सम्बंधित व्यक्ति के विरूद्ध यथोचित कार्यवाही भी की जायेगी।

महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने किया वैगन रिपेयर शॉप का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। तरुण प्रकाश महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा वैगन रिपेयर शॉप रायपुर का निरीक्षण किया गया। प्रधान विभागाध्यक्ष एवं वैगन रिपेयर शॉप के मुख्य कर्मशाला प्रबंधक के साथ बैठक ली। महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने वैगन रिपेयर शॉप निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम स्लाइड प्रेजेंटेशन के माध्यम से वैगन रिपेयर शॉप में चल रहे कार्यो का जायजा लिया गया । इसके पश्चात महाप्रबंधक जी द्वारा वेस्ट टू आर्ट से बनी कलाकृतियां का निरीक्षण किया गया गेटवे ऑफ इंडिया, विशाल गणपति जी को देखा एवं स्क्रैप के उपयोगीकरण की सराहना की।

गुडस ट्रेन के वैगनों की मरम्मत के वैगन फ्लो चार्ट का अवलोकन कर व्हील शॉप, सीटीआरबी सेक्शन, बॉगी शॉप, डीवी सेक्शन, सीबीसी सेक्शन, वैगन बॉडी-ढ्ढ एवं वैगन बॉडी-II, स्टोर डिपो, गुडस ट्रेन के ब्रेकिंग सिस्टम में लगने वाले डिस्ट्रीब्यूटर वॉल की टेस्टिंग एवं एसेंबलिंग, व्हील में लगने वाले बॉगी कंपोनेंट के स्प्रिंग्स बॉगी की मरम्मत मेकैनिज्म को जांचा - परखा एवं तकनीकी स्टाफ के कौशल की जानकारी ली, कोन क्लीयरेंस, सील वायरिंग मेकैनिज्म को जांचा एवं व्हील शॉप के एक्सेल जर्नल लेथ मशीन की कार्य प्रणाली के तकनीकी पहलुओं पर चर्चा की।

गुडस ट्रेन के ब्रेकिंग सिस्टम में लगने वाले एयर ब्रेक सिस्टम के कंपोनेंट जो की महिला कर्मचारियों रानी दुर्गावती ग्रुप द्वारा रिपेयर किए जाते हैं, महिलाओं के तकनीकी कार्यों की जानकारी ली। गुडस ट्रेन के वैगनों की मरम्मत में व्हील एसेंबल की बोगी शॉप में कार्यरत महिला रेल कर्मियों से भी तकनीकी कौशल पर चर्चा की। वैगन मरम्मत में वैगन को ऊपर उठाने के उपयोग आने वाली 20 टन ईओटी क्रेन का शुभारंभ किया। वैगन रिपेयर में मरम्मत में उपयोग आने वाली सामग्री के रखरखाव के भंडार विभाग का निरीक्षण किया।

प्रत्येक सामान के रखरखाव की जानकारी ली। वैगन रिपेयर शॉप निरीक्षण के दौरान पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने पौधारोपण भी किया गया। महाप्रबंधक ने कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ कर्मचारी हितों पर चर्चा की एवं वैगनों की मरम्मत में लगे तकनीकी कर्मियों, इंजीनियरों से बात की। सुरक्षा एवं संरक्षा को ध्यान में रखते हुए गुणवत्ता परख रेलवे के मानकों के अनुसार कार्य करने पर जोर दिया। इस निरीक्षण के दौरान तरुण प्रकाश महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, संजय बिस्वास, मंडल रेल प्रबंधक रायपुर दयानंद, मुख्य कर्मशाला प्रबंधक निर्मल कुमार भण्डारी, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर रवि निवाले, उप मुख्य सामग्री प्रबंधक एन. नियोगी एवं मुख्यालय के प्रधान विभागाध्यक्ष एवं मुख्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

राजधानी रायपुर में 52 नवनियुक्त सूबेदारों ने किया दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देशानुसार, पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय माना रायपुर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे नवनियुक्त सूबेदारों का राजधानी रायपुर के पुलिस लाईन में शैक्षणिक भ्रमण सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। उक्त दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में नवनियुक्त 15 महिला एवं पुरूष 37 कुल 52 सूबेदार शामिल हुए। प्रशिक्षु सूबेदारों ने पुलिस लाईन की कार्यप्रणाली एवं उसकी विभिन्न शाखाओं में संधारित किये जाने वाले अभिलेखो के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त किया गया साथ ही पुलिस लाईन के कार्यों में उत्पन्न होने वाली चुनौतियों को किस प्रकार से सामना किया जाकर उसका हल निकाला जा सकता है इसकी बारीकियों के विषय में पुलिस लाईन के वरिष्ठ अधिकारियों से जानकारी भी प्राप्त की गई।

दो दिवसीय भ्रमण सह प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन के दौरान उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रायपुर डॉ. लाल उमेद सिंह उपस्थित होकर समस्त प्रशिक्षु सूबेदारों औपचारिक भेंट कर उन्हे शैक्षणिक भ्रमण का कुशल प्रशिक्षण प्राप्त करने की बधाईयां देते हुए अपने निजी अनुभव को साझा करते हुए बताया कि सभी को अपने भूतकाल का अवश्य ध्यान रखना चाहिए, ईमानदारी और मेहनत से सौंपे गये दायित्वों का संपादन करने के लिए किसी भी परिस्थिति से कोई समझौता न करते हुए अपना शतप्रतिशत दिया जाना चाहिए।

विभाग में जो भी टास्क मिले उसमें मन लगाकर पूरी जिम्मेदारी से काम करते रहने से आपको चुनौतियों में भी रास्ता मिलता जायेगा। प्रशिक्षु सूबेदारों को यह भी बताया कि प्रत्येक ड्यूटी को जिम्मेदारी से पूरा किया जाना चाहिए जिससे कि उसके आत्मविश्वास में बढोत्तरी हो और वह विश्वासपात्र बन सके। पुलिस फोर्स को मैनेज करने की जिम्मेदारी भविष्य में आप पर होगी। वर्तमान से संतुष्ट होकर, ईश्वर पर भरोसा भी करना चाहिए। समय का पाबंद होकर, प्रशिक्षण की दिनचर्या को अपनी आदत में शुमार कर लेना चाहिए। मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता है, मेहनतकश जिस जगह पर जाता है वहां उसकी प्रशंसा होती है। प्रशिक्षण तक अभी मौका है काम मांगो और उसे पूरा करने की हिम्मत रखो। प्रशिक्षु सूबेदार तिलक देवांगन द्वारा इस दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण सह प्रशिक्षण के उद्देश्य को अतिमहत्वपूर्ण बताते हुए इसके लाभ एवं उपयोगिता के बारे में बताते हुए भ्रमण के दौरान जानकारियां देने वाले स्टाफकी प्रशंसा करते हुए समस्त प्रशिक्षुओं की ओर से उमनि/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रायपुर को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए यह विश्वास भी दिलाया कि भविष्य में आपके मार्गदर्शन में वे सभी पुलिसिंग के प्रति पूरी निष्ठा व्यवसायिक दक्षता एवं ईमानदारी से कार्य करेंगे तथा सभी का विश्वास भी अर्जित करेंगे। शैक्षणिक सह भ्रमण कार्यक्रम में उप पुलिस अधीक्षक, लाईन निलेश कुमार द्विवेदी, रक्षित निरीक्षक रायपुर अनीष सारथी के द्वारा प्रशिक्षु सूबेदारों के मनोबल में सकारात्मक वृद्धि का प्रयास करते हुए उन्हे स्थानीय मरीन ड्राईव तेलीबांधा रायपुर में यातायात व्यवस्था की सिखलाई देकर वापस पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय माना विदा किया गया।

बच्चों की करुण पुकार : बन्द हो पशुओं पर अत्याचार

रायपुर। खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर द्वारा प्रतिष्ठित श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी सहित सकल जैन समाज ने पशुओं पर अत्याचार से द्रवित होकर जीवदया व अभयदान की भावना से नवकार महामंत्र का जाप किया।

श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट , भैरव सोसायटी के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि विश्वभर में पशुओं पर अत्याचार का शोर है , आज प्रातः ही जिनमंदिर परिसर में एकत्र होकर बच्चों ने नवकार जाप किया। प्रार्थना में बच्चों की करुण पुकार बन्द हो पशुओं पर ये अत्यचार। जैन धर्म के सभी तीर्थंकरों ने अहिंसा परमो धर्म, करुणा, सभी जीवों के प्रति दया भाव से जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त किया है। भगवान महावीर स्वामी ने जियो और जीने दो का संदेश विश्व को दिया जोकि वर्तमान में भी विश्वशांति के लिए प्रासंगिक है। विश्वपटल पर पशुओं के प्रति हो रही हिंसा के मद्देनजर अहिंसा करुणा दया व जियो और जीने दो के भावों के साथ छत्तीसगढ़ में जैनियों ने 7 नवकार महामंत्र का जाप किया। महेन्द्र कोचर ने आगे कहा कि नवकार महामंत्र का जाप समस्त विपत्तियों से रक्षा करने वाला मंत्र है , सकल जैन समाज के जगत के समस्त जीवों के प्रति अभयदान के शुद्ध भावों से किया गया नवकार जाप अवश्य ही जनभावनाओं को बदलने में सार्थक होगा।

सैन्सेविरिया, एलोविरा, एरेका पाम, तुलसी के पौधे 24 घंटे देते हैं ऑक्सीजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आप अपने घर की बाल्कनी और टेरिस के साथ बेडरूम में सैन्सेविरिया, एलोविरा, एरेका पाम और मनी प्लांट का पौधा लगा सकते हैं, जो हमें 24 घंटे ऑक्सीजन प्रदान करता है। घर पर तुलसी का पौधा हमारी संस्कृति है। यह तुलसी भी हमें ऑक्सीजन प्रदान करती है। विश्व पर्यावरण दिवस पर उक्ताशय के विचार हॉर्टिकल्चरिस्ट, पर्यावरणविद व इंदिरा गांधी कृषि विश्व विद्यालय रायपुर के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. विजय जैन ने महाराष्ट्र मंडल की पर्यावरण समिति की संगोष्ठी में व्यक्त किए।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए डॉ. जैन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की बात आती है, तो हमारे दिमाग में सबसे पहले पॉलीथिन का ध्यान आता है। लेकिन इससे ज्यादा खतरा हमारी बदलती लाइफ स्टाइल से है। आज हमें घर पर एसी चाहिए, बाहर निकलने पर कार में एसी, ऑफिस पहुंचने पर एसी। अब एसी चलाने के लिए हमें बिजली चाहिए। बिजली बनाने के लिए हमें ईंधन इन पेड़ों से ही मिलता है। हम बिजली का उपयोग कम करेंगे तो पर्यावरण को बचाने में काफी मदद कर सकते हैं। यह काम पेड़ लगाने और उसके संरक्षण के बराबर जरूरी है। उन्होंने पौधों की देखभाल को लेकर प्रबुद्ध जनों के सवालों के जवाब भी दिए।

संगोष्ठी में विशेष वक्ता इंदिरा गांधी कृषि विश्व विद्यालय रायपुर के पूर्व प्राध्यापक और महाराष्ट्र मंडल रायपुर के आजीवन सभासद डॉ. जेएस उरकुरकर ने कहा कि हमें 20 प्रतिशत ऑक्सीजन पेड़ों और 80 फीसदी समुद्र से मिलता है। समुद्र में पाए जाने वाली काई से हमें ऑक्सीजन मिलता है। अब हम प्लास्टिक वेस्ट को नदियों के माध्यम से समुद्र तक पहुंचा रहे हैं। ऐसे में हमें इन्हें रोकना होगा। कोरोना काल में हमने ऑक्सीजन की अहमियत को जाना। बहुत से लोगों ने इससे सबक भी लिया और घर के अंदर ऑक्सीजन प्रदान करने वाले पौधे लगाने शुरू किए। घर पर हम सैन्सेविरिया, एलोविरा, एरेका पाम के साथ मनी प्लांट, लिली और जरबेरा के पौधे भी लगा सकते हैं। जरबेरा के फूल भी ऑक्सीजन रिलीज करते हैं।

प्रभारी डॉ. पाठक ने ली पदाधिकारियों की बैठक

रायपुर। आम आदमी के छत्तीसगढ़ प्रभारी, राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ. संदीप पाठक छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं और नया रायपुर स्थित सर्किट हाउस में प्रदेश पदाधिकारियो के अलावा सभी लोकसभा अध्यक्ष, सचिव सभी जिला अध्यक्ष एवं सचिवों के साथ लगातार दिनभर मैराथन बैठक करेंगे जिसमे प्रमुखता से छत्तीसगढ़ में पार्टी को आगे बढ़ाने की रणनीति पर चर्चा की और यही इनका छत्तीसगढ़ आने का प्रमुख उद्देश्य है।

पर्यावरण को बचाने मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन ने किया पोस्टर व क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले के गांव तेंदुआ, चंगोराभाठा, दत्तरेगा के समुदाय में मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन कि ओर से विगत 5 जून से 7 जून तीन दिवस तक अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम टी.एम ओ कुलेश्वरी साहू, वायम.नीलम साहू, पूजा साहू, भैरव साहू इन सभी के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया था।

अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में बच्चों और महिलाओं के लिए कई प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों और महिलाओं को प्लास्टिक का पुन: उपयोग कैसे करें इसके बारे में जानकारी दी गई। स्वच्छता कार्यक्रम रखा गया और रैली भी निकाली गई। प्लास्टिक का कम उपयोग करने को लेकर सत्र भी लिया गया। पर्यावरण को बचाने के लिए पोस्टर और क्विज प्रतियोगिता भी रखी गई थी, जिसमें बच्चे, मितानिन,

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं पालक गण उपस्थित हुए।

इस कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और उन्हें अपने अंदर के हुनर को बाहर दिखने का मौका मिला साथ ही सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण भी किया गया। हमारे पर्यावरण को स्वच्छ या सुरक्षित बनाने के निर्णय को लेते हुए वृक्षारोपण भी किया गया। यह कार्यक्रम मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के प्रोग्राम मैनेजर प्रशांत लोखंडे की देखरेख में संपन्न किया गया।

रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय फाटक दिवस के अवसर पर चलाया जा रहा है सघन जागरुकता अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता दिवस के अवसर पर 3 जून से 9 जून तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग के द्वारा समपार फाटक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत 6 जून को संरक्षा अधिकारियों, संरक्षा सलाहकारों एवं सिविल डिफेंस वोलैंटियर के द्वारा विभिन्न समपार फाटकों जैसे उताई फाटक (डी डी -4), धनोरा फाटक (डी डी -8), जिंदल फाटक (आर वी -13), गुजरा फाटक (आर वी-20), खुर्सीपार फाटक (समपार फाटक-440), कुम्हारी बाजार, इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप/जांजगीर एवं बालोद स्टेशन में जाकर लोगों को पॉमप्लेट वितरण करके, स्टीकर चिपका कर एवं बैनर लगाकर लोगों को फाटक बंद होने पर उसे पार न करने की काउंसलिंग की गई।

समपार फाटक को सही तरीके से पार करने के लिए DCA टीम के द्वारा भिलाई पावर हाउस एवं दुर्ग स्टेशन में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान कुल लगभग 1150 लोगों की काउंसिलिंग की गई। इस अवसर पर रायपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों में ऑडियो रिकॉर्डिंग के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है एवं महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान किया जा रहा है।

इस अभियान के दौरान आज संरक्षा सलाहकारों तथा नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों, संरक्षा विभाग व विभिन्न विभागों के पर्यवेक्षकों द्वारा पाम्पलेट बाँटकर, स्लोगन व माईक के माध्यम से राहगीरों को जागृत किया गया। साथ ही समपार फाटक पार करते समय गाड़ी को धीमा चलाने, सिग्नल हरा होने पर ही आगे बढने, फाटक बंद हो तो खुलने का इंतजार करने तथा फाटक पार करते समय मोबाइल का प्रयोग नहीं करने का परामर्श दिया गया।

अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष ने सिक्ख फोरम अध्यक्ष भाटिया से की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंग छाबड़ा ने छत्तीसगढ़ सिक्ख फोरम के अध्यक्ष व डीपीएस के चेयरमेन बलदेव सिंग भाटिया से सौजन्य भेंट की। उन्होंने इस दौरान शॉल-श्रीफल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर श्री भाटिया को सम्मानित किया।

इस दौरान आयोग अध्यक्ष व सिक्ख फोरम अध्यक्ष के मध्य हुई बातचीत के दौरान सिक्ख समाज के सर्वांगीण उत्थान एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सक्रियता से किए जाने का निर्णय लिया

गया। साथ ही समाज के युवाओं को रोजगारोन्मुखी स्मार्ट स्किल डेवलपमेंट से जोडने् तथा आईएएस-आईपीएस की तैयारी कर रहे युवाओं को कोचिंग व अन्य सुविधाएं प्रदान करने पर जोर दिया गया। वहीं गुरु तेगबहादुर के आगामी 350वें सालाना शहीदी पर्व को पूरे छत्तीसगढ़ में समाजसेवा के अनेक कार्यों के साथ ऐतिहासिक व भव्य रूप से मनाए जाने पर भी विस्तृत चर्चा की गई। फोरम अध्यक्ष श्री भाटिया ने आयोग अध्यक्ष श्री छाबड़ा को हरसंभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

द 7 डॉग्स का टीजर रिलीज, सलमान खान व संजय दत्त की एक झलक पर फिदा हुए फैंस

सलमान खान और संजय दत्त की जोड़ी लोगों को खूब भाती है। रील लाइफ हो या रियल लाइफ, दोनों को साथ देखने भर से प्रशंसक उत्साहित हो उठते हैं।

बीते साल एपी ढिल्लों के गाने ओल्ड मनी में दोनों साथ थे और अब एक बार फिर संजय और सलमान की जोड़ी ने प्रशंसकों को अपना मुरीद बना दिया है। दरअसल, फिल्म द 7 डॉग्स का टीजर रिलीज हो गया है, जिसमें संजय और सलमान साथ नजर आ रहे हैं।

हॉलीवुड में बैड बॉयज फॉर लाइफ और मिस मार्वल जैसी फिल्मों के लिए मशहूर आदिल एल अरबी और बिलाल फल्लाह ने इस फिल्म का निर्देशन किया है।

वैसे तो यह सऊदी अरब की एक्शन-कॉमेडी फिल्म है, इसलिए भाषा भी समझ से परे है, लेकिन टीजर में संजय और सलमान की एक दमदार झलक ने उनके प्रशंसकों के चेहरे पर मुस्कान जरूर बिखेर दी है। मारधाड़ से भरपूर इस फिल्म में संजय और सलमान ने कैमियो किया है। टीजर में सलमान जहां सफेद ब्लेजर में नजर आ रहे हैं, वहीं संजय बंदूक ताने जबरदस्त अवतार में दिख रहे हैं। एक फैन ने सोशल मीडिया पर लिखा, बॉलीवुड फिल्म के लिए भी साथ आओ ना।

एक लिखते हैं, सुपरहिट जोड़ी।

एक कमेंट है, सलमान और संजू बाबा ने फिल्म की शान बढ़ा दी। फिल्म 7 डॉग्स की कहानी एक इंटरपोल अफसर और क्राइम नेटवर्क के इर्द-गिर्द घूमती है। यह फिल्म इस साल के अंत तक सिनेमाघरों में आएगी।

खबरें थीं कि सलमान और संजय ने एक एक्शन फिल्म के लिए फिर हाथ मिलाया है। सिकंदर की रिलीज से पहले सलमान ने खुद बताया था कि वह संजू बाबा के साथ एक एक्शन फिल्म में काम करने वाले हैं और बड़े उत्साहित हैं।

फिल्म का नाम गंगा राम बताया जा रहा था। इसका निर्देशन कृष अहीर करने वाले थे।हालांकि, सलमान ऐन मौके पर इस फिल्म से पीछे हट गए और संजय के साथ उनकी जोड़ी बनती-बनती रह गई। संजय और सलमान रेडी, ओम शांति ओम, ये है जलवा, चल मेरे भाई और साजन चले ससुराल समेत कई फिल्मों में साथ दिख चुके हैं। आखिरी बार उन्हें अजय देवगन अभिनीत सन ऑफ सरदार में देखा गया था। वो बात अलग है कि इसमें सलमान कैमियो करते दिखे थे। यह फिल्म 2012 में रिलीज हुई थी। इसके बाद से ही प्रशंसक दोनों सितारों को साथ देखने का इंतजार कर रहे हैं। सलमान-संजय की असल जिंदगी में जबरदस्त बॉन्डिंग है।

कहानियों को क्रिएटिव ढंग से बयां करेंगी एकता कपूर, इस ओटीटी प्लेटफॉर्म से मिलाया हाथ

मनोरंजन जगत की दिग्गज निर्माता एकता कपूर, जिन्होंने टेलीविजन और फिल्मों में अहम योगदान दिया है। अब निर्माता की बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड और ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स कहानियों को अलग-अलग जॉनर में क्रिएटिव ढंग से पेश करेंगे। निर्माता ने कहा इस सहयोग से एंटरटेनमेंट की दुनिया में एक अलग सफर की शुरुआत होगी।

एकता कपूर ने रखी राय

इस रचनात्मक सहयोग पर एकता कपूर ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, 'बालाजी टेलीफिल्म्स में, कहानी सुनाना हमेशा से ही हमारे हर काम के केंद्र में रहा है, चाहे वह सिनेमा, टेलीविजन या डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से हो।' आगे उन्होंने कहा कि नेटफ्लिक्स के साथ आना उनके लिए एक बड़ा क्षण है और यह एक रोमांचक नए अध्याय का प्रतीक है। इसके जरिए वो क्रिएटिव कंटेंट पेश करेंगी, जो मनोरंजन करे, प्रेरित करे और हर जगह से लोगों को जोड़े।

मोनिका शेरगिल ने कही ये बात

इस सहयोग के बारे में बात करते हुए नेटफ्लिक्स इंडिया के कंटेट टीम की उपाध्यक्ष मोनिका शेरगिल ने कहा कि एकता कपूर मनोरंजन की दुनिया में एक प्रभावशाली व्यक्तित्व हैं। जिन्होंने दो दशकों से अधिक समय से भारत द्वारा देखे जाने और पसंद किए जाने वाले शो को एक अलग पहचान दिलाई। साथ ही उन्होंने कहा कि नेटफ्लिक्स के जरिए उन्होंने अलग-अलग उम्र के दर्शकों का मनोरंजन किया है। अब इस सहयोग से अनूठी कहानियों को शानदार तरीकों से पेश किया जाएगा, जो एक क्रिएटिव सफर की शुरुआत होगी। एकता कपूर फिल्म और सीरियल की दुनिया का जाना माना नाम हैं। अभी हाल ही में एकता कपूर ने 'कुल्ल' वेब सीरीज का निर्माण किया था। वहीं इस समय निर्माता अपने आगामी प्रोजक्ट 'नागिन 7' में भी व्यस्त हैं। इसके साथ ही आपको बताते चलें कि बालाजी और नेटफ्लिक्स ने पहले भी कई शीर्षकों पर साथ में काम किया है, जिनमें 'कथल', 'पगलैट', 'जाने जां' और 'डॉली किट्टी' और 'वो चमकते सितारे' शामिल हैं।

क्रिमिनल जस्टिस के सेट पर खुशनुमा माहौल बनाए रखते हैं पंकज त्रिपाठी : श्वेता बसु प्रसाद

एक्ट्रेस श्वेता बसु प्रसाद ने वेब सीरीज क्रिमिनल जस्टिस में काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने अभिनेता पंकज त्रिपाठी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि पंकज त्रिपाठी दूसरे कलाकारों को आरामदायक महसूस कराने और उनके प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करते हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि पिछले सीजन के मुकाबले उनके लिए यह नया सीजन बहुत आसान रहा।

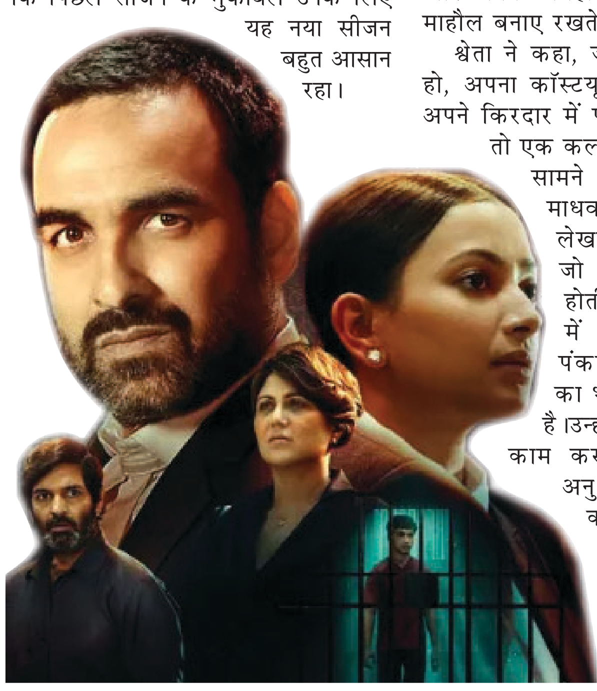

एक्ट्रेस ने कहा, यह मेरा क्रिमिनल जस्टिस का दूसरा सीजन है। मैं इसमें पंकज त्रिपाठी और डायरेक्टर रोहन सर दोनों के साथ काम कर रही हूं। पिछले सीजन में मैं थोड़ी नर्वस थी। लेकिन, अब मैं पूरे जोश में हूं। मैं पंकज सर के काम और उनकी सोच की काफी प्रशंसा करती हूं। वह बहुत अच्छे कलाकार हैं और अपने व्यवहार से सेट पर खुशनुमा माहौल बनाए रखते हैं।

श्वेता ने कहा, जब आप सेट पर होते हो, अपना कॉस्टयूम पहने होते हो और अपने किरदार में पूरी तरह ढले होते हो, तो एक कलाकार होने के नाते मेरे सामने तब पंकज सर सिर्फ माधव मिश्रा होते हैं और मैं लेखा अगस्त्य। मेरे अंदर जो नर्वस वाली फिलिंग्स होती हैं, वह एक्साइटमेंट में बदल जाती हैं। मुझे पंकज सर और रोहन सर का भी पूरा समर्थन मिलता है।उन्होंने कहा, सीरीज में काम करना मेरे लिए अच्छा अनुभव रहा। मैंने काफी कुछ सीखा है। पिछले सीजन के मुकाबले मैंने इस सीजन ज्यादा आरामदायक महसूस किया।

टी-सीरीज के साथ अदनान सामी की धमाकेदार वापसी, रोमांटिक और दिल छू लेने वाला पहलू

प्यार कभी सीधा-सादा नहीं होता उसमें होता है शरारत, अनजाने मोड़ और कभी-कभी बस एक सही गाने की जरूरत। अदनान सामी की मोहक धुन और आशा भोसले की सदाबहार आवाज़ के साथ 'आओ ना' दिल की वो भाषा बोलता है जो हर कोई समझता है। टी-सीरीज़ के साथ अदनान सामी की इस धमाकेदार वापसी में संगीत का पुराना रंग और आज का ताजापन ङ्क दोनों एकसाथ महसूस होते हैं। कुणाल वर्मा द्वारा लिखे इस गीत में तबला, गिटार, सिंथेसाइज़र और ड्रम्स का ऐसा तालमेल है जो हर दिल को छू लेता है। ये गाना सिर्फ रोमांस नहीं, बल्कि रिश्तों को एक और मौका देने की उम्मीद भी जगाता है। मैं चाहता था कि 'आओ ना' एक ऐसा लव सॉन्ग बने जो हल्का-फुल्का हो, दिल को छू जाए और रिश्तों की मिठास को बयां करे उनके उतार-चढ़ाव और उन छोटी-छोटी बातों को, जो प्यार को खास बनाती हैं। आशा जी के साथ फिर से काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। और टी-सीरीज के साथ वापसी करना तो जैसे अपने घर लौट आने जैसा है।'आओ ना' सिर्फ प्यार में पड़ने की बात नहीं करता ये सिखाता है कि कैसे उस प्यार को जिया जाए, हँसी-खुशी, तकरार और इंतजार हर अहसास के साथ।

अक्षय की फिल्म हाउसफुल 5 में लाल परी बन सौंदर्या शर्मा ने बिखेरा जलवा

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म से डेब्यू करना किसी भी एक्ट्रेस के लिए बड़े सपने जैसा होता है और हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'हाउसफुल 5' से ऐसी ही एक अभिनेत्री का सपना पूरा हुआ है। हम बात कर रहे हैं सौंदर्या शर्मा की जिन्होंने मेन लीड के तौर पर फिल्म में अपना डेब्यू किया है। आखिर कौन हैं सौंदर्य शर्मा जो अपने इस डेब्यू से इन दिनों काफी सुर्खियां बटोर रही हैं।

दिल्ली में जन्मीं और पली-बढ़ी सौंदर्या शर्मा ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने से पहले डॉक्टर बनने का सपना देखा था। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। मेडिकल की पढ़ाई के बाद उन्होंने एक्टिंग की ओर रुख किया और साल 2017 में फिल्म रांची डायरीज से बॉलीवुड में डेब्यू किया। हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर सकी, लेकिन सौंदर्या की अदाकारी को इंडस्ट्री में नोटिस जरूर किया गया।

इसके बाद सौंदर्या ने म्यूजिक वीडियो और वेब सीरीज के जरिए धीरे-धीरे अपनी एक अलग पहचान बनाई। उन्हें रियलिटी शो बिग बॉस 16 में भी देखा गया, जहां उनकी बोल्ड पर्सनालिटी और आत्मविश्वास ने दर्शकों का ध्यान खींचा। अभिनय के प्रति उनका जुनून और लगातार मेहनत ने आज उन्हें इस मुकाम तक पहुंचा दिया है।

हाउसफुल 5 जैसी हाई-प्रोफाइल फिल्म में लीड रोल मिलना किसी भी एक्ट्रेस के लिए सपने के सच होने जैसा होता है। इस फिल्म में सौंदर्य के काम को पसंद किया जा रहा है और उन्हें तारीफ मिल रही है। सौंदर्या की मानें तो उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वो एक दिन इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनेंगी। अपने सोशल मीडिया पोस्ट्स में उन्होंने इस मौके को जिंदगी का सबसे बड़ा मोड़ बताया।

बता दें अक्षय कुमार स्टारर ये फिल्म आज यानी 6 जून 2025 को रिलीज हो गई है। फिल्म को अब तक ऑडियंस की तरफ से अच्छा खासा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

इन एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या में शामिल करने से वजन घटाना होगा आसान

वजन घटाने के लिए जिम में पसीना बहाना जरूरी नहीं है। अगर आप रोजाना 30 मिनट के लिए टहलते हैं तो इससे भी वजन घट सकता है।

वॉकिंग से शरीर की अतिरिक्त चर्बी कम हो सकती है और मांसपेशियों को ताकत मिल सकती है। इसके अलावा हड्डियों को मजबूती मिलती है और शरीर में लचीलापन आ सकता है। आइए आज हम आपको पांच ऐसी वॉकिंग एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं, जो वजन घटाने में मदद कर सकती हैं।

इनक्लाइन वॉकिंग

इनक्लाइन वॉकिंग करने से पैरों की मांसपेशियों पर जोर पड़ता है और इससे शरीर के निचले हिस्से की कसरत हो जाती है। इसके अलावा इससे शरीर के ऊपरी हिस्से की मांसपेशियों को भी ताकत मिलती है। इसके साथ ही इनक्लाइन वॉकिंग करने से शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है। हालांकि, अगर आपको इनक्लाइन वॉकिंग करने में कोई दिक्कत है तो आप ट्रेडमिल वॉकिंग कर सकते हैं।

बैकवर्ड वॉकिंग

बैकवर्ड वॉकिंग शरीर के पिछले हिस्से की मांसपेशियों को ताकत मिलती है और इससे शरीर की अतिरिक्त चर्बी कम होने लगती है। इसके अलावा बैकवर्ड वॉकिंग करने से शरीर के कोर

की कसरत हो जाती है, जिससे पेट की चर्बी कम होती है।

इसके साथ ही पीठ की मांसपेशियों को ताकत मिलती है और शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है।

वेटेड वॉकिंग

वेटेड वॉकिंग करने से शरीर की अतिरिक्त चर्बी कम होने लगती है और इससे मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं। इसके अलावा वेटेड वॉकिंग करने से शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है। वजन के लिए आप पानी की बोतल या फिर डंबल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे वजन उठाने के साथ टहलना भी हो जाएगा।

इसके साथ ही आप अपने हाथों में वजन उठाने के लिए डंबल या कांच की बोतलों की बजाय प्लास्टिक की बोतलें चुनें।

ब्रिस्क वॉकिंग

अगर आप रोजाना 30 मिनट के लिए ब्रिस्क वॉकिंग करते हैं तो इससे भी वजन घट सकता है।दरअसल, ब्रिस्क वॉकिंग करने से चलने पर शरीर की मांसपेशियों पर जोर पड़ता है और इससे शरीर की अतिरिक्त चर्बी कम होने लगती है।

इसके अलावा इससे शरीर के कोर की कसरत भी हो जाती है, जिससे पेट की चर्बी कम होती है। इसके साथ ही इससे शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है।

वॉकिंग एंड स्क्वाट्स सेट

वॉकिंग एंड स्क्वाट्स सेट एक ऐसी एक्सरसाइज है, जिससे शरीर की अतिरिक्त चर्बी कम होने लगती है और मांसपेशियों को ताकत मिलती है। इसके अलावा इससे शरीर के कोर की कसरत भी हो जाती है, जिससे पेट की चर्बी कम होती है।

इसके साथ ही इससे शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है। आप चाहें तो रोजाना 10 मिनट के लिए वॉकिंग एंड स्क्वाट्स सेट कर सकते हैं। इससे वजन घटाना आसान हो सकता है।

चश्मा पहनने वाली महिलाएं ऐसा करें मेकअप, दिखेंगी आकर्षक

चश्मा पहनने वाली महिलाओं को सबसे बड़ी दिक्कत ये होती है कि चश्मे के कारण उनका मेकअप ढंग से नहीं दिख पाता है। ऐसे में सही मेकअप तकनीकों का उपयोग करके आप न केवल अपनी आंखों को सुरक्षित रख सकती हैं, बल्कि उन्हें और भी आकर्षक बना सकती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी मेकअप टिप्स देंगे, जिनसे आप बिना किसी चिंता के चश्मा पहनकर भी खूबसूरत दिख सकती हैं।

सही फाउंडेशन चुनें

फाउंडेशन चुनते समय ध्यान रखें कि वह आपकी त्वचा के प्रकार और रंग से मेल खाता हो।अगर आपकी त्वचा तैलीय है तो मैट फाउंडेशन का उपयोग करें, जबकि सूखी त्वचा वालों को क्रीम बेस्ड फाउंडेशन बेहतर लगेगा। इसके अलावा फाउंडेशन लगाने के बाद उसे अच्छी तरह मिलाएं ताकि चेहरा प्राकृतिक दिखे और चश्मा लगाने पर कोई धब्बा न लगे। सही फाउंडेशन आपके चेहरे को निखारने में मदद करेगा और चश्मा पहनने पर भी आपका लुक बेहतरीन रहेगा।

आईलाइनर ऐसा लगाएं

आईलाइनर लगाते समय ध्यान रखें कि वह आपकी आंखों के आकार के अनुसार हो।अगर आपकी आंखें छोटी हैं तो हल्का सा विंग्ड आईलाइनर आपके लुक को खास बना सकता है, वहीं बड़ी आंखों वाली महिलाएं पूरी आंख के किनारे तक आईलाइनर लगा सकती हैं। इसके अलावा आईलाइनर लगाने के बाद थोड़ी देर इंतजार करें ताकि वह पूरी तरह सूख जाए और चश्मा लगाने पर कोई धब्बा न लगे।

मस्कारा का सही इस्तेमाल करें

मस्कारा लगाते समय ध्यान रखें कि वह पानी में घुलनशील हो ताकि वह आपकी आंखों को आराम दे सके।इसके अलावा मस्कारा लगाने से पहले आईलैश कर्लर का उपयोग करें ताकि आपकी पलकों को अच्छी तरह से कर्ल किया जा सके और वे ज्यादा खूबसूरत दिखें।इसके अलावा मस्कारा लगाने के बाद थोड़ी देर इंतजार करें ताकि वह पूरी तरह सूख जाए और चश्मा लगाने पर कोई धब्बा न लगे।

लिपस्टिक चुनते समय ध्यान दें

लिपस्टिक चुनते समय अपने त्वचा के रंग और मौसम का ध्यान रखें। गर्मियों में हल्के रंग जैसे गुलाबी या पीच बेहतर रहते हैं, जबकि सर्दियों में गहरे रंग जैसे लाल या प्लम ज्यादा अच्छे लगते हैं। इसके अलावा लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों पर बाम लगाएं ताकि होंठ सूखे न हों और उनकी चमक बरकरार रहे। सही लिपस्टिक आपके होंठों को निखारने में मदद करेगी और आपका लुक बेहतरीन बना सकती है।

इस तरह लगाएं ब्लश

ब्लश लगाते समय ध्यान रखें कि वह आपकी त्वचा के रंग से मेल खाता हो। हल्की सी मात्रा गालों पर लगाएं ताकि चेहरा ताजा दिखे। इसके अलावा ब्लश लगाने से पहले थोड़ा सा ब्रॉन्जर उपयोग करें ताकि त्वचा प्राकृतिक तरीके से निखरे। सही मात्रा में ब्लश लगाने से आपका चेहरा और भी चमकीला दिखेगा और चश्मा पहनने पर भी आपका लुक बेहतरीन रहेगा। यह तरीका आपके चेहरे को एक नई चमक देगा।

छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़े स्थलों के दर्शन कराएगी भारत गौरव एक्सप्रेस, कल सीएसएमटी मुंबई से होगी रवाना

महाराष्ट्र के गौरवशाली अतीत और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को देखने का अनुभव देगी यह विशेष ट्रेन

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंबई ए.। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी) ने छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट भारत गौरव ट्रेन टूर शुरू किया है, जो 9 जून 2025 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई से रवाना होगी। भारत गौरव ट्रेन टूर को 100 प्रतिशत बुकिंग के साथ जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। कुल 710 यात्री इस यात्रा का लाभ उठाएंगे। जिनमें से 480 यात्री इकोनॉमी (स्लीपर) में, 190 यात्री कम्फर्ट (3AC) में और 40 यात्री सुपीरियर (2AC) में बुक किए गए हैं। भारत गौरव ट्रेन यात्रा की योजना छत्रपति शिवाजी महाराज के 351वें राज्याभिषेक समारोह के अवसर पर बनाई गई है। छत्रपति शिवाजी महाराज के दर्शन के लिए यह ट्रेन 9 जून, 2025 को रायगढ़ पहुंचेगी। छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट एक विशेष रूप से क्यूरेट किया गया टूर है, जो पांच रातों/छह दिनों की यात्रा में छत्रपति शिवाजी महाराज के गौरवशाली इतिहास और भव्य विरासत को प्रदर्शित करता है। यह टूर महाराष्ट्र सरकार, भारतीय रेलवे के बीच एक संयुक्त सहयोग है।

इन स्थलों का कराएगी भ्रमण

यह ट्रेन रायगढ़ किला, शिवनेरी किला, प्रतापगढ़ किला, पन्हाला किला, लाल महल, कस्बा गणपति और शिवसृष्टि जैसे ऐतिहासिक स्थलों को कवर करती है, जो महान छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को दर्शाते हैं। दो अतिरिक्त आकर्षणों में भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग और कोल्हापुर में महालक्ष्मी मंदिर शामिल हैं।

सुविधा और सुलभता के साथ, यह ट्रेन यात्रियों को महाराष्ट्र के गौरवशाली अतीत और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को देखने का एक सहज अनुभव प्रदान करती है।

6 दिनों की यात्रा, पहले दिन यह होगा खास

6 दिनों का यात्रा कार्यक्रम छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT), मुंबई से शुरू होगा। पहले दिन, रेलगाड़ी कोंकण रेलवे नेटवर्क पर माणगांव रेलवे स्टेशन पर पहुंचेगी, जो रायगढ़ किले के लिए निकटतम रेलवे लिंक है। पहला गंतव्य रायगढ़ है, जो उसी नाम के पहाड़ी किले के लिए जाना जाता है जहां छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक हुआ था और बाद में यह उनकी राजधानी थी। दर्शनीय स्थलों की यात्रा पूरी होने पर पर्यटक वापस ट्रेन में लौट आएंगे क्योंकि यह अगले गंतव्य पुणे के लिए आगे बढ़ेगी, जहां पर्यटक रात का भोजन करेंगे और पुणे के होटल में रात बिताएंगे। दौरे के दूसरे दिन, पुणे में पर्यटक जिन प्रमुख स्थलों को देखेंगे, वे हैं लाल महल, कस्बा गणपति और शिवसृष्टि। वर्तमान संरचना का पुनर्निर्माण 1984 में उस भूमि के एक हिस्से पर किया गया था, जहां लाल महल खड़ा था और इसमें तेल चित्रों का एक विशाल संग्रह है जो छत्रपति शिवाजी महाराज के महत्वपूर्ण जीवन की घटनाओं को दर्शाता है। पुणे के पीठासीन देवता कस्बा गणपति का मंदिर 1893 का है और माना जाता है कि इसे छत्रपति शिवाजी महाराज की मां जीजाबाई ने बनवाया था। तब से, शहर को गणेश के शहर के रूप में जाना जाता है। बाद में दिन में, पर्यटक शिवसृष्टि का दौरा करेंगे। जो छत्रपति शिवाजी महाराज की कथा को प्रदर्शित करने वाला सबसे बड़ा ऐतिहासिक थीम पार्क है। पर्यटक यहां मराठा शासक की जीवन कहानी 3डी में देखेंगे और अन्य इंटरैक्टिव सत्रों का आनंद लेंगे।

मेहमान शिवनेरी की यात्रा

पुणे में एक रात के आराम के बाद, तीसरे दिन मेहमान शिवनेरी की यात्रा करेंगे। यह छत्रपति शिवाजी महाराज की जन्मस्थली है और मुस्लिम शासन के खिलाफ मराठा गौरव और प्रतिरोध का प्रतीक है। दोपहर के भोजन के बाद पर्यटक रात्रि विश्राम के लिए पुणे लौटने से पहले 12 ज्योतिर्लिंग मंदिरों में से एक भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग मंदिर का दर्शन करेंगे। यात्रा कार्यक्रम के चौथे दिन, पर्यटक सतारा की आगे की यात्रा के लिए ट्रेन में सवार होंगे। इस स्टेशन से कवर किया जाने वाला प्रमुख स्थल प्रतापगढ़ किला है, जो 1659 में छत्रपति शिवाजी महाराज और बीजापुर सल्तनत के जनरल अफ़ज़ल खान के बीच हुए प्रतापगढ़ युद्ध के कारण अत्यधिक ऐतिहासिक महत्व रखता है। इस युद्ध ने मराठा साम्राज्य की स्थापना के लिए मंच तैयार किया था। यात्रा के बाद, पर्यटक एक उपयुक्त स्थान पर दोपहर का भोजन करेंगे और वापस ट्रेन के लिए रवाना होंगे, क्योंकि यह ट्रेन यहां से यात्रा के अंतिम गंतव्य कोल्हापुर के लिए आगे बढ़ती है।

महालक्ष्मी मंदिर व सह्याद्री पर्वतमाला भी जाएंगे

पांचवे दिन पर्यटक महालक्ष्मी मंदिर जाएंगे, जिसे अम्बाबाई के नाम से जाना जाता है और उसके बाद पन्हाला किला जाएंगे। सह्याद्री पर्वतमाला के ऊपर स्थित यह पहाड़ी किला कई लड़ाइयों का गवाह है और छत्रपति शिवाजी महाराज से इसका गहरा संबंध है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने 500 से अधिक दिन वहां बिताए थे। यहां उन्हें बंदी बनाकर रखा गया था और बाद में वे भाग निकले थे। पन्हाला किले को 'सांपों का किला' भी कहा जाता है, क्योंकि यह आकार में टेढ़ा-मेढ़ा है। यह किला छत्रपति शिवाजी महाराज और शंभाजी महाराज के जीवन इतिहास से जुड़ा हुआ है। इसे किले पर कब्जा करने की लड़ाई के दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज के सेनापति बाजी प्रभु देशपांडे द्वारा दिखाई गई वीरता के लिए याद किया जाता है। देर शाम को ट्रेन मुंबई के लिए वापस शुरू होती है और 6वें दिन सुबह मुंबई पहुंचती है। सभी श्रेणियों में सभी समावेशी मूल्य में संबंधित श्रेणियों में ट्रेन यात्रा, आरामदायक होटलों में रात का ठहराव, सभी भोजन, बसों में सभी स्थानांतरण और दर्शनीय स्थलों की यात्रा, यात्रा बीमा, टूर एस्कॉर्ट की सेवाएँ आदि शामिल होंगे। यात्रियों को एक सुरक्षित और यादगार अनुभव प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक प्रयास किए जाएंगे।

खास खबर

युक्तियुक्तकरण नीति से कबीरधाम जिले के 10 स्कूलों में हुई रसायन विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति

कवर्धा। राज्य शासन द्वारा शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़, संतुलित और परिणाममुखी बनाने के उद्देश्य से लागू की गई युक्तियुक्तकरण नीति का सकारात्मक प्रभाव अब ज़मीन पर दिखाई देने लगा है। यह नीति विशेष रूप से उन विद्यालयों में कारगर सिद्ध हो रही है जहाँ शिक्षकों की कमी या विषय-विशेषज्ञों का अभाव लंबे समय से छात्रों की पढ़ाई में बाधा बन रहा था। युक्तियुक्तकरण के अंतर्गत कबीरधाम जिले के 10 शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में रसायन विज्ञान विषय के शिक्षकों की नियुक्ति कर दी गई है। इससे इन स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को अब बेहतर मार्गदर्शन प्राप्त होगा, जिससे उनकी विषय के प्रति समझ और रुचि दोनों में वृद्धि होगी। इसके तहत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मरका, कापादाह, कोड़ापुरी, पोलमी, कुंडा, नेउर, राजानवागांव, जुनवानी जंगल, समनापुर और सिंघनगढ़ विद्यालयों में अब विशेषज्ञ शिक्षक छात्रों को प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक दोनों स्तरों पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करेंगे। शिक्षकों की नई पदस्थापनाओं से विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को सीधा लाभ मिलेगा। पहले जहां एकल शिक्षक या विषयविहीन विद्यालयों में बच्चों को सीमित शिक्षण सुविधा मिलती थी, वहीं अब विशेषज्ञ शिक्षकों की उपलब्धता से उनका शैक्षणिक स्तर और आत्मविश्वास दोनों बढ़ेगा। राज्य शासन की मंशा है कि हर विद्यार्थी को उसकी रुचि और आवश्यकता के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, चाहे वह शहरी क्षेत्र में हो या सुदूर ग्रामीण अंचल में। युक्तियुक्तकरण इसी दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है, जो शिक्षा व्यवस्था को नई ऊँचाईयों की ओर ले जा रही है। विद्यालयों में विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति से अब शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहकर अनुभव आधारित और व्यवहारिक बनेगी। इससे छात्रों में जिज्ञासा और रचनात्मकता को भी बल मिलेगा। राज्य सरकार का यह प्रयास है कि कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे और हर स्कूल और हर विषय में शिक्षक की पूर्ण उपलब्धता हो।

कभी शिक्षक विहीन रहे कलिबा में अब बहेगी ज्ञान की गंगा

जशपुर। शिक्षा हर बच्चे का दिल और आत्मा है। शिक्षा के बिना किसी बच्चे का जीवन अधूरा है। शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा हम सीखते हैं, ज्ञान, कौशल और आदतें हासिल करते हैं। इसे औपचारिक और अनौपचारिक रूप से किसी भी अनुभव के साथ लिया जा सकता है जो इसे शैक्षिक उद्देश्य बनाने के लिए मूल्यवान बनाता है। प्रीस्कूल से लेकर विश्वविद्यालय तक शिक्षा के विभिन्न चरण होते हैं, परन्तु प्राथमिक शिक्षा किसी बच्चे के जीवन में नींव की भांति कार्य करता है जो उसके पूरे जीवन को दिशा प्रदान करता है। ऐसे में यदि किसी विद्यालय में शिक्षक ही ना हो तो वहां के बच्चों को अपने जीवन के आधार निर्माण में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा ही कुछ जशपुर के कुनकुरी विकासखण्ड के ग्राम कलिबा के प्राथमिक शाला का हाल था। जहां बच्चों की दर्ज संख्या तो 41 थी पर शिक्षकों की संख्या शून्य। ऐसी स्थितियों को सुधारने के लिए ही छत्तीसगढ़ शासन द्वारा युक्तियुक्तकरण द्वारा शिक्षकों और बच्चों का अनुपात बेहतर करते हुए समावेशी उत्कृष्ट शिक्षा के लिए कार्य किया जा रहा है। जिसके तहत विभाग द्वारा कलिबा की स्थिति में सुधार के लिए शिक्षकों की नियुक्ति की मुहिम प्रारंभ की गई। जहां सहायक शिक्षकों की काउंसिलिंग की प्रक्रिया की गई। सहायक शिक्षकों में से 02 सहायक शिक्षकों ने वहां के बच्चों के भविष्य निर्माण के लिए कलिबा में जा कर अपनी सेवाएं देने पर सहर्ष सहमति व्यक्त की। इस संबंध में प्राथमिक शाला कलिबा में नवनियुक्त आशा केरकेट्टा ने बताया कि मेरी पदस्थापना पूर्व में प्राथमिक शाला वनकोम्बो में थी। जहां 40 बच्चों पर 03 शिक्षक थे और कलिबा में 41 बच्चों में एक भी शिक्षक नहीं था। जिसमें उनकी शिक्षा और बेहतर भविष्य के लिए जब मुझे कलिबा में सहायक शिक्षक के रूप में कार्य करने के अवसर के संबंध में जानकारी हुई तो मुझे बहुत हर्ष हुआ कि मैं उन बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए अब कार्य कर सकूँगी। मुझे शासन की युक्तियुक्तकरण योजना के संबंध के यह बात बहुत अच्छी लगी कि ऐसे स्कूल जहां बच्चों और शिक्षकों का अनुपात कम है।

युक्तियुक्तकरण से जशपुर के ग्रामीण अंचलों में शिक्षा की फिर से जली लौ

शिक्षकों की पदस्थापना से स्कूलों में लौटी रौनक, पालकों में उत्साह, बच्चों में नया जोश

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और स्कूलों में शिक्षक उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेश भर में चलाए जा रहे युक्तियुक्तकरण अभियान के सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में क्रियान्वित इस अभियान से खासकर आदिवासी बहुल और दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में शिक्षा के क्षेत्र में नई उम्मीद जगी है।

फरसाबहार विकासखंड के दो ऐसे प्राथमिक विद्यालय रैंगारमुंडा और मुण्डाडीह, जो वर्षों से शिक्षक विहीन थे, अब यहां युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के तहत 2-2 नियमित शिक्षकों पदस्थ हो चुके हैं। रैंगारमुंडा शाला, जो कि स्वयं मुख्यमंत्री श्री साय के विधानसभा क्षेत्र कुनकुरी में स्थित है, में दो शिक्षकों की नियुक्ति से गांव में शिक्षा के प्रति वातावरण पूरी तरह से बदल गया है। पूर्व में विद्यालय केवल व्यवस्था अनुसार शिक्षकों के भरोसे चल रहा था, और बच्चों की उपस्थिति नगण्य थी। अब यहां के पालकों में नया विश्वास जगा है और वे पुनः अपने बच्चों का नामांकन स्थानीय शाला में कराने के लिए आगे आ रहे हैं।इसी प्रकार मुण्डाडीह के प्राथमिक विद्यालय में लंबे समय से शिक्षक न होने के कारण शिक्षण कार्य लगभग ठप था। गांव के लोग आशंकित थे कि कहीं उनके बच्चों का भविष्य अंधकारमय न हो जाए। किंतु अब नियमित शिक्षकों की पदस्थापना से विद्यालय में फिर से पढ़ाई हो सकेगी। विद्यालय की शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष और ग्रामवासियों ने शिक्षकों के आगमन पर उनका आत्मीय स्वागत किया और शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्रामवासी श्रीमती शांति चौहान, जिनकी बेटी कक्षा पाँचवीं में पढ़ती है, भावुक होकर बताती हैं किअब हम निश्चिंत हैं कि हमारे बच्चे भी पढ़-लिखकर कुछ बन पाएंगे। शिक्षक आ गए हैं, ये हमारे लिए बहुत बड़ा तोहफा है।

इस सकारात्मक बदलाव पर माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि शिक्षा को सबसे बड़ी प्राथमिकता देना हमारी सरकार की प्रतिबद्धता है। मैं स्वयं देख रहा था कि कई विद्यालय शिक्षक विहीन स्थिति में थे, विशेष रूप से सुदूर अंचलों में। इसलिए हमने युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता से लागू किया। यह सुनिश्चित किया गया कि जहां-जहां जरूरत है, वहां शिक्षकों की तैनाती हो। जशपुर के फरसाबहार क्षेत्र में जो सकारात्मक बदलाव आ रहा है, वह इस नीति की सफलता का प्रमाण है। यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि हमारे बच्चों के भविष्य को संवारने की दिशा में किया गया प्रयास है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी कहा कि सरकार की कोशिश है कि अगले शैक्षणिक सत्र तक प्रदेश के सभी प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं में आवश्यक शिक्षक उपलब्ध हों।शिक्षकों की उपस्थिति से बच्चों को अब नियमित मार्गदर्शन मिलेगा, शैक्षणिक गतिविधियों को नया आयाम मिलेगा और समूचे अंचल में शिक्षा के प्रति जागरूकता की नई लहर दौड़ पड़ी है।

इस प्रकार, जशपुर जिले के रैंगारमुंडा और मुण्डाडीह जैसे गांवों में युक्तियुक्तकरण की यह पहल न केवल शिक्षा को बल दे रही है, बल्कि ग्रामीण समाज में सरकार के प्रति विश्वास और सहभागिता का आधार भी मज़बूत कर रही है। यह छत्तीसगढ़ सरकार के संकल्प— सब पढ़ें, सब बढ़ें की दिशा में एक सार्थक कदम है।

युक्तियुक्तकरण से शिक्षक विहीन शालाओं में अब फैलेगा ज्ञान का उजियारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायगढ़ जिले के शिक्षक विहीन एवं एकल शिक्षिकीय शालाओं के लिए युक्तियुक्तकरण का कदम दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रही है। दूरस्थ अंचलों में शिक्षक विहीन और एकल शिक्षकीय शाला होने से बच्चों की पढ़ाई पर बुरा असर पड़ रहा था। वह अब युक्तियुक्तकरण से दूर होने जा रहा है। रायगढ़ जिले के 21 शिक्षक विहीन और 267 एकल शिक्षिकीय स्कूलों को अब शिक्षक मिल चुके हैं। इससे इन शालाओं में शैक्षणिक वातावरण बेहतर होगा।

राज्य शासन के दिशा-निर्देश में जिले में अतिशेष शिक्षकों के काउंसलिंग की प्रक्रिया पूर्ण होने पश्चात अब जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में मौजूद शिक्षक विहीन और एकल शिक्षकीय विद्यालयों को नए शिक्षक मिल चुके है। इससे अब न केवल इन क्षेत्रों के स्कूलों को नए शिक्षक मिले है बल्कि विद्यार्थियों के लिए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा भी सुनिश्चित हुई है। रायगढ़ जिले के अंतिम छोर धरमजयगढ़ विकासखंड के कुम्हीचुंआ के प्राथमिक शाला में 105 विद्यार्थी हैं, यह स्कूल शिक्षक विहीन था। लेकिन अब युक्तियुक्तकरण से यहां के विद्यार्थियों को 4 नए शिक्षक मिल गए हैं। इस बारे में सचिव ईश्वर डनसेना ने बताया कि सरपंच एवं ग्रामीणों द्वारा बच्चों के भविष्य को देखते हुए शिक्षकों की मांग रखी गई थी। सुदूर क्षेत्र के बच्चों को पढ़ाई में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। वर्तमान में शिक्षक नहीं होने से कक्षा पहली से पांचवीं तक के बच्चों का भविष्य अधर में था। लेकिन आज युक्तियुक्तकरण के माध्यम से शाला को शिक्षक मिलने से बच्चों के भविष्य को आशा की एक नई किरण दिखने लगी है।

जिले के विकासखण्ड तमनार के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कोलम एक एकल शिक्षकीय शाला है जहां विद्यार्थियों की दर्ज संख्या 112 है। गांव के सरपंच गंगाराम पोर्ते कहते है कि शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला एकल शिक्षकीय होने से बच्चों को पढ़ाई में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। एक शिक्षक के भरोसे पूरे स्कूल का संचालन हो रहा था। उन्होंने बताया कि यहां लगभग दस गांव से बच्चे शिक्षा प्राप्त करने आते है। शिक्षकों की कमी से यहां स्कूल में पढ़ाई-लिखाई काफी प्रभावित हो रही थी।

युक्तियुक्तकरण से दूरदराज़ के स्कूलों में पहुंचे शिक्षक, ग्रामीणों ने जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा स्कूली शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए शुरू की गई युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया का असर अब वनांचल के गांवों में साफ़ दिखाई देने लगा है। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के दूरस्थ और पहुंचविहीन गांवों में वर्षों से शिक्षक की कमी से जूझते स्कूलों को अब राहत मिली है। लंबे समय से शिक्षक की मांग कर रहे ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी झलक रही है।

हाईस्कूल बड़गांवखुर्द को मिले दो व्याख्याता

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में स्थित हाईस्कूल बड़गांवखुर्द में पहले कोई भी स्थायी शिक्षक नहीं था। केवल एक अतिथि शिक्षक के सहारे स्कूल चल रहा था। लेकिन युक्तियुक्तकरण के तहत अब हिन्दी और गणित के दो व्याख्याताओं की पदस्थापना की गई है। इससे ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई है। अब बच्चों को विषय विशेषज्ञों से पढ़ने का मौका मिलेगा, जिससे पढ़ाई का स्तर बेहतर होगा।

ढाब गांव में शिक्षा को मिला नया सहारा

विकासखंड भरतपुर के ग्राम ढाब की प्राथमिक शाला में वर्षों से सिर्फ एक शिक्षक कार्यरत थे। इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। अब यहां एक सहायक शिक्षक की नियुक्ति हुई है। गांव के सरपंच और अभिभावकों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इससे शिक्षा का माहौल सुधरेगा और बच्चों की पढ़ाई सही ढंग से हो सकेगी।

खोखनिया गांव में पूरी हुई वर्षों की मांग

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के भीतर बसे खोखनिया गांव की प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं में लंबे समय से शिक्षक नहीं थे। यहां 87 बच्चे दर्ज हैं, लेकिन शिक्षक कम थे। अब युक्तियुक्तकरण के बाद प्राथमिक शाला में एक और माध्यमिक शाला में दो शिक्षक नियुक्त किए गए हैं। इससे गांववालों को बड़ी राहत मिली है।

शिक्षकों की पदस्थापना से जागी नई उम्मीद

ऐसे ही एक अन्य पहुंचविहीन गांव देवशील की प्राथमिक शाला में 57 बच्चे पढ़ते हैं, लेकिन स्कूल में केवल एक शिक्षक कार्यरत थे। अब एक और शिक्षक की नियुक्ति से यहां शिक्षा को नई गति मिलेगी। ग्रामीणों ने शिक्षक की नियुक्ति पर प्रसन्नता जताई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का कहना है कि हमारी सरकार की प्राथमिकता है, कि शिक्षा की पहुंच अंतिम गांव तक हो। युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के माध्यम से हमने उन स्कूलों में शिक्षक भेजे हैं, जहां सबसे ज़्यादा ज़रूरत थी । बच्चों को अच्छी पढ़ाई का अवसर मिले, यह हमारा संकल्प है। ग्रामीणों की प्रतिक्रिया से यह स्पष्ट है कि हम सही दिशा में बढ़ रहे हैं।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

मातम में बदली बकरीद की खुशियां, युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बिलासपुर । बिलासपुर जिले के तखतपुर ताज मेटाडोर सर्विस में हेल्पर का काम करने वाले

युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। बिलासपुर जिले के तखतपुर ताज मेटाडोर सर्विस में हेल्पर का काम करने वाले युवक ने फासी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। युवक की मौत के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार तखतपुर वार्ड क्रमांक एक चूलघट रोड निवासी सलीम खान उर्फमंझला ताज मेटाडोर सर्विस में हेल्पर का काम करता है। कल 6 जून को वह गाड़ी में बिलासपुर हेल्परी करते हुए गया था। गाड़ी खाली करने के लिए खड़ा करने के बाद वह वहां से चला गया और देर रात तक उसका ड्राइवर इंतजार करता रहा लेकिन वह वापस नहीं आया। आज सुबह पता चला कि उसने लिदरी ठाकुर ढाबा के पास फासी लगाकर आत्महत्या ली है। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई, पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बकरीद के दिन युवक की मौत के बाद खुशियां मातम में बदल गई।

चक्रधरनगर पुलिस की कार्रवाई, तीन आरोपियों से महुआ शराब जब्त

रायगढ़। अवैध शराब के विरुद्ध जिलेभर में

चलाए जा रहे अभियान के तहत चक्रधरनगर पुलिस थाना प्रभारी निरीक्षक अतिम शुक्ला के नेतृत्व में 6 जून 2025 को ग्राम कोलाईबहाल और जामगांव क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री की मुखबिर सूचना पर ताबड़तोड़ कार्रवाई कर तीन अलग-अलग मामलों में कुल 25 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद करते हुए तीन आरोपियों को धर दबोचा है। पहली कार्रवाई में ग्राम कोलाईबहाल निवासी चंद्रिका प्रसाद सोनवानी पिता स्व. बंशीलाल सोनवानी उम्र 36 वर्ष को 9 लीटर कच्ची महुआ शराब (कीमत लगभग 1800) के साथ पकड़ा गया। वहीं दूसरी कार्रवाई ग्राम जामगांव कोलाईबहाल क्षेत्र में की गई, जहां आरोपी मुकलेश कुमार पिता किसनपाल उम्र 32 वर्ष, मूल निवासी उत्तर प्रदेश के एटा जिले का पाया गया, जो वर्तमान में कोमसपाली, महापल्ली क्षेत्र में रह रहा था। उसे उसके घर के पास दबिश देकर पकड़ा गया, जिसके पास से 6 लीटर हाथ भट्टी से बनी अवैध शराब (कीमत 1200) एवं 40 नगद जब्त किए गए।

तीसरी कार्रवाई में ग्राम जामगांव कोलाईबहाल में ही रहने वाले दीपक सिदार पिता श्रद्धाकर सिदार उम्र 24 वर्ष निवासी बिंजकोट, थाना चक्रधरनगर को पकड़ा गया, तीनों आरोपियों के विरुद्ध अलग-अलग प्रकरण क्रमांक 248/2025, 249/2025 एवं 250/2025 के तहत छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 59(क) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर कार्रवाई की गई है।

बिलासपुर के आवास में बदमाशों ने मचाया उत्पात, 10 बाइक फूंक डाले, हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बदमाशों ने बाइक पर आग लगा दी। जिससे वहां रखे 10 बाइक चपेट में आ गई। जब तक लोगों को इसकी जानकारी हुई और दमकल बुलाकर आग बुझाई गई, तब 10 बाइक जलकर खाक हो चुकी थी। पुलिस इस घटना को शार्ट सर्किट बता रही है। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, अशोक नगर स्थित अटल आवास के नीचे खड़ी गाड़ी में बदमाशों ने आग लगा दी। देखते ही देखते आग परिसर में फैलने लगी। जिससे वहां खड़ी 10 बाइक और साइकिल आग की चपेट में आ गए। अचानक शुक्रवार तड़के लोगों की नींद खुली, तब उन्हें बाइक सहित गाड़ियां और साइकिल धू-धू कर जलते मिले। लोगों ने पहले आग बुझाने की कोशिश की। साथ ही आगजनी की जानकारी पुलिस को दी। इस दौरान दमकल भी मौके पर पहुंच गई। लेकिन, जब तक आग को काबू में किया गया, तब तक बाइक और साइकिल पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी।

रायपुर में किराए पर दी गई कार को कब्जे में रखकर की ठगी

राजधानी रायपुर के माना थाना क्षेत्र में किराये पर दी गई कार को धोखाधड़ीपूर्वक अपने पास रखने और किराया न देने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी विजय सोनी नामक युवक पर प्रार्थी से झांसा देकर गाड़ी लेने और निर्धारित समय समाप्त हो जाने के बावजूद उसे न लौटाने का आरोप है। माना थाना और एंटी क्राइम एवं सायबर यूनिट की संयुक्त टीम ने इस पूरे मामले का पर्दाफाश करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर वाहन बरामद कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, प्रार्थी निलेश बिंझाड़े, जो वृंदावन कॉलोनी, रायपुर का निवासी है और पेशे से चालक है, ने थाना माना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। निलेश ने बताया कि उसके पास एक अल्टो कार (क्रमांक CG/04/MA/0301) है जिसे उसने अपनी पहचान के व्यक्ति विजय कुमार सोनी को 13,000 रुपये मासिक किराए पर दिनांक 03 जून 2023 से 03 दिसंबर 2023 तक यानी कुल 6 माह के लिए एक विधिवत इकरारनामा कराकर दिया था। समस्या तब उत्पन्न हुई जब निर्धारित 6 माह की अवधि बीत जाने के बाद भी विजय सोनी ने न केवल कार लौटाई नहीं, बल्कि एक भी माह का किराया भी अदा नहीं किया। जब प्रार्थी ने उससे संपर्क करने की कोशिश की, तो उसका मोबाइल फोन स्विच ऑफ आने लगा। इस पर निलेश को शक हुआ और उसने माना थाना में विजय सोनी के विरुद्ध ठगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। थाना माना में इस शिकायत पर अपराध क्रमांक 167/25, धारा 407 भादवि (भरोसे में दी गई संपत्ति का दुरुपयोग) के तहत मामला दर्ज किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में एंटी क्राइम और सायबर यूनिट तथा थाना माना पुलिस की संयुक्त टीम ने तुरंत जांच प्रारंभ की।

टीम ने पहले प्रार्थी से विस्तृत पूछताछ की और आरोपी के संभावित ठिकानों का पता लगाकर दबिश देना शुरू किया। निरंतर छापेमारी के बाद टीम को सफलता मिली और आरोपी विजय सोनी को गिरफ्तार कर लिया गया।

मजदूर हत्याकांड का खुलासा स्टील फैक्ट्री में मिली थी लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। सोमनी के टेड़ेसरा में मौजूद पीएस स्टील फैक्ट्री में हुए मजदूर की हत्या की गुत्थी सुलझ गई है। पुलिस ने हत्या के आरोपी में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जो मृतक के साथ ही फैक्ट्री में काम करते थे। आरोपियों ने 50 हजार रुपए लूटने के दौरान मजदूर की हत्या कर दी। पीएस स्टील फैक्ट्री के मजदूर धर्मेन्दर की लाश उसके क्वाटर में 30 मई को मिली थी। क्वाटर के बाहर ताला लगा हुआ था, वहीं उसकी धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। सोमनी पुलिस ने शव के पीएम के बाद मामले की जांच शुरू की। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जिसमें संदेही प्रियांशु थापा, धर्मेद्र सुंदरे और हरामन यादव स्टाफ क्वाटर के आसपास दिखे। जिसके आधार पर पुलिस ने तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कड़ाई से हुई पूछताछ में आरोपियों ने धर्मेन्दर के हत्या की बात स्वीकार ली। आरोपियों ने बताया कि उन्हें धर्मेन्दर के पास 50 हजार रुपए होने की जानकारी थी, जिसे लूटने की नीयत से तीनों उसके क्वाटर में पहुंचे थे।

गर्दन पर चाकू से वार कर हत्या, फिर लूट लिए 50 हजार

आरोपियों ने बताया कि तीनों वारदात वाली रात धर्मेन्दर के क्वाटर में पहुंचे। जहां दाखिल होते ही उन्होंने धर्मेन्दर के पास रखे 50 हजार रुपए को लूटने का प्रयास किया। लेकिन धर्मेन्दर ने इसका विरोध किया और मारपीट करने लगे। जिसे देखते हुए तीनों ने पहले धर्मेन्दर की जमकर पिटाई की, फिर धारदार चाकू से उसके गर्दन पर वार कर हत्या कर दी। इसके बाद रुपए आपस मे बांटकर क्वाटर के गेट में ताला लगाकर फरार हो गए।

पुलिस ने किया बड़ा खुलासा, 5 अंतरराज्यीय डकैत गिरफ्तार

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिले में कोतवाली, बसंतपुर और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने अंतरराज्यीय डकैत गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 5 आदतन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। मध्यप्रदेश के हरदा, रायसेन, कटनी और उत्तरप्रदेश के प्रयागराज से आए इन डकैतों ने शहर में चोरी और डकैती की वारदातों को अंजाम दिया था। पहली घटना 31 मई 2025 की है। आरोपियों ने न्यू चंद्रा कॉलोनी निवासी हेमंत साहू के घर से जेवर और नगद की चोरी की थी। पीड़ित के थाने में शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। चोरी हुए 21 हजार के सामान भी बरामद हुए है। दूसरी घटना बसंतपुर की अर्बन रेजिडेंसी सोसाइटी में हुई। गुरविन बग्गा ने बताया कि 30 मई 2025 की रात करीब 2:50 बजे उनके बेडरूम का दरवाजा खोलने की आवाज सुनाई दी। शोर मचाने पर संदिग्ध कॉलोनी की बाउंड्रीवाल कूदकर भाग गए। इस मामले में भी धारा 305, 331(4), 62 बीएनएस के तहत केस दर्ज हुआ, मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी मोहित गर्ग के निर्देश पर एएसपी राहुल देव शर्मा और नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र नायक के मार्गदर्शन में कोतवाली थाना प्रभारी रामेंद्र सिंह, बसंतपुर थाना प्रभारी एमन साहू और साइबर सेल प्रभारी विनय कुमार पम्मार ने संयुक्त टीम गठित की।

मोस्ट वांटेड नक्सली हिड़मा की सामने आई ताजा तस्वीर इंटेलिजेंस के पास अब तक रही 25 साल पुरानी तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। छत्तीसगढ़ के मोस्टवांटेड नक्सली मड़ावी हिड़मा की ताजा तस्वीर सुरक्षाबलों के हाथ लगी है। बस्तर संभाग में लगातार जारी ऑपरेशन्स के बीच हिड़मा की ताजा तस्वीर का सामने बड़ी सफलता माना जा रहा है। एक करोड़ के इनामी, नक्सलियों की केंद्रीय कमेटी का मेंबर और मास्टरमाइंड कहे जाने वाले माड़वी हिड़मा की 25 साल पुरानी तस्वीर ही सुरक्षा इंटेलिजेंस के पास अब तक रही है। नई तस्वीर भी 8 से 10 साल पुरानी बताई जा रही है।

सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक मड़ावी हिडमा की वर्तमान में उम्र 50 से 55 के बीच हो सकती है। अभी तो तस्वीर सामने आई है उसमें वह लगभग 45 वर्ष कर दिख रहा है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह

तस्वीर भी 8 से 10 साल पुरानी हो सकती है। हालांकि नई तस्वीर सामने आने से मड़ावी हिड़मा के लेटेस्ट लुक का अंदाजा लगाया जा सकता है। खास बात यह है कि माओवादी संगठन में कई बड़े कैडर के तस्वीर आसानी से मिल जाती है लेकिन माड़वी हिड़मा की तस्वीर नहीं मिल पाती।

जानिए कौन है मड़ावी हिड़मा

माड़वी हिड़मा को संतोष उर्फ इंदमुल उर्फपोडियाम भीमा जैसे कई और नामों से भी जाना जाता है। सुकमा उसका गढ़ माना जाता है। वह वर्ष 1990 में नक्सलियों के संगठन से जुड़ा। पिछले कई साल से सुरक्षा एजेंसियां उसकी तलाश में जुटी है। सुकमा में होने वाले अधिकतर नक्सली घटनाओं में हिड़मा का प्लान होता है। मड़ावी हिड़मा का जन्म सुकमा जिले के पूवर्ती गांव में हुआ था। पहले इस गांव में पहुंचना मुश्किल होता था लेकिन अब सुरक्षाबल हिड़मा के गांव तक पहुंच चुके हैं। हिड़मा को लेकर बताया जाता है वह पांच लेयर की सुरक्षा घेरे में रहता है और वह किसी से मिलता नहीं है। हिड़मा कभी किसी कार्यक्रम में भी शामिल नहीं होता और ना ही मीडिया से रूबरू होता है। इस वजह से हिड़मा की पहचान आसानी से नहीं हो पा रही थी। अब जब नई तस्वीर सामने आई है तो सुरक्षाबल भी उसकी तलाश में लगे हैं।

एनआईए ने नक्सली कार्यकर्ता के खिलाफ दाखिल किया आरोप पत्र, सेना के जवान की हत्या का मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानि एनआईए ने फरवरी 2024 में छत्तीसगढ़ में भारतीय सेना के जवान की हत्या मामले में पहले से गिरफ्तार किए गए एक नक्सली कार्यकर्ता के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानि एनआईए ने फरवरी 2024 में छत्तीसगढ़ में भारतीय सेना के जवान की हत्या मामले में पहले से गिरफ्तार किए गए एक नक्सली कार्यकर्ता के खिलाफआरोप पत्र दायर किया है। बीजापुर के आशु कोरसा के खिलाफ जागदलपुर में एनआईए विशेष अदालत में

आईपीसी, 1860 की धारा 302 के साथ 120बी और यूए (पी) अधिनियम की धारा 16, 18, 20, 38 और 39 के तहत आरोप पत्र दायर किया गया है। जांच में जो मामले सामने आए हैं उसके तहत आरसी-13/2024/एनआईए/आरपीआर के तहत की गई। जांच में यह सामने आया कि आरोपी प्रतिबंधित आतंकी संगठन सीपीआई (माओवादी) की आपराधिक साजिश में शामिल था, जिसका उद्देश्य मोतीराम अचला की हत्या करना था।

पीड़ित को पिछले साल 25 फरवरी को कांकेर जिले के अमाबेड़ा क्षेत्र के उसेली गांव के मेले में परिवार के साथ जाते समय सीपीआई (माओवादी) के सशस्त्र कैडर ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले को मूल रूप से स्थानीय पुलिस ने दर्ज किय था और 29 फरवरी 2024 को अपने हाथ में लिया था। जांच के दौरान यह पाया गया कि आरोपी माओवादी आशु कोरसा उत्तर बस्तर डिवीजन की कुयेमारी क्षेत्र समिति का सक्रिय सशस्त्र कैडर था। उसने एक अन्यवरिष्ठ माओवादी नेता के साथ मिलकर मोतीराम अचला की पहचान की और स्थानीय बाजार में उसकी हत्या की। एनआईए ने उसे पिछले साल दिसंबर मे इस साजिश के संबंध में गिरफ्तार किया था।

बेटे-बहू की लड़ाई में बुजुर्ग पिता को गंवानी पड़ी जान, हुई हत्या

दुर्ग। जिले की धमधा पुलिस ने पिता की हत्या करने के आरोपी बेटे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी अपनी पत्नी से विवाद कर रहा था। यह देख पिता ने उसे मना किया तो बेटे ने गुस्से में आकर उसके ऊपर ईंट से हमला कर दिया। गहरी चोट आने से पिता की मौत हो गई।

मामला धमधा थाना अंतर्गत ग्राम राहटादाह का है। यहां रहने वाली मुसाफिर दास मारकंडे (27 साल) ने धमधा थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि बीते 24 मई की रात 10 बजे के करीब उसके बड़े पिता की उनके बेटे ने हत्या कर दी है।

उसने बताया कि उसके बड़े पिता धरमपाल मारकंडे अपने घर में खाना खाकर आराम कर रहे थे।

इसी दौरान उसका लड़का शंकरदार मारकंडे अपनी पत्नी लीला मारकंडे के साथ झगड़ा करने लगा। काफी देर तक झगड़ा होता देख धरमपाल उठा और शंकर को झगड़ा करने से मना करने लगा। पिता के मना करने पर शंकर गुस्से और तमतमा गया वो पिता से ही झगड़ा करने लगा कि तू मुझे समझाने वाला कौन होता है। पिता ने उसे झगड़ा करने से फिर मना किया तो गुस्से में उसने पास पड़ी ईंट को उठाया और धरमपाल के सिर पर वार कर दिया। इससे उसके सिर और बांई आंख के पास चोट आई।

3 दिनों में सात नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने किया ढेर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। बीजापुर नेशनल पार्क मुठभेड़ में अब तक सात नक्सली मारे गए हैं। तीन दिनों (5, 6 और 7 जून) के अंदर सात नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने ढेर कर दिया है। मारे गए सातों नक्सलियों के शव बरामद कर लिये गए हैं।

पांच जून को केंद्रीय कमेटी मेंबर सुधाकर उर्फ गौतम मारा गया। उसके बाद छह जून को तेलंगाना स्टेट कमिटी मेंबर भास्कर को ढेर किया गया। 6 जून की शाम को हुई मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए। 7 जून शनिवार को जारी मुठभेड़ में दो और नक्सली मारे गए, कुल सात नक्सलियों को जवानों ने मौत की नींद सुला दी है। सभी सातों नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। दो नक्सलियों की पहचान हो गई है। पांच नक्सलियों की शिनाख्त बाकी है।

इससे पहले छत्तीसगढ़ में बस्तर संभाग के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क इलाके में फोर्स और नक्सलियों के बीच गुरुवार को हुई मुठभेड़ में करीब एक करोड़ रुपये के इनामी खूंखार नक्सली नरसिम्हाचलम उर्फ गौतम उर्फ सुधारक को जवानों ने ढेर कर दिया था। सुधाकर नक्सलियों के सेंट्रल कमेटी (सीसीएम) का मेंबर था। उस पर अलग-अलग राज्यों में कुल मिलाकर करीब एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। कई राज्यों की पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। माओवादियों के बड़े कैडर तेलंगाना राज्य समिति सदस्य बांदी प्रकाश, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य पप्पा राव और कुछ अन्य सशस्त्र माओवादी कैडर्स के जमा होने की सूचना पर संयुक्त फोर्स नक्सल आपरेशन पर निकली थी। इसमें डीआरजी, एसटीएफ और कोबरा की संयुक्त बल को अभियान पर भेजा गया था।

बीजापुर जिले के नेशनल पार्क इलाके के घने जंगलों में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में जवानों ने टॉप नक्सली कमांडर नरसिम्हाचलम उर्फ गौतम उर्फ सुधाकर को ढेर कर दिया। क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है।

पुलिस ने फिर की अपील

पुलिस और सुरक्षा बलों ने एक बार फिर दोहराया है कि वे क्षेत्र में शांति और विकास सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। साथ ही शेष माओवादी कैडरों से हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने की अपील की गई है।

अब तक 403 से ज्यादा माओवादी कैडर ढेर

वर्ष 2024-2025 की अवधि में अब तक बस्तर रेंज में माओवादियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई मुठभेड़ों में 403 से अधिक माओवादी कैडरों के शव बरामद किए जा चुके हैं।

बोधघाट बांध और इंद्रावती-महानदी इंटरलिंकिंग प्रोजेक्ट पर सीएम साय ने पीएम मोदी से की चर्चा

बोधघाट व इंद्रावती-महानदी इंटरलिंकिंग प्रोजेक्ट पर खर्च होंगे 49 हजार करोड़, बिजली के साथ मिलेगी सिंचाई सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बहुउद्देशीय बोधघाट बांध परियोजना और इंद्रावती-महानदी इंटरलिंकिंग परियोजना के राष्ट्रीय परियोजना के रूप में निर्माण के संबंध में विस्तार से चर्चा की है। उन्होंने कहा कि बस्तर संभाग लंबे समय से नक्सल प्रभावित रहा है, इसी वजह से संभाग सिंचाई साधनों के विकास में पिछड़ गया है, संभाग में सिंचाई साधनों की समस्या को दूर करने और चहुमुखी विकास को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार बहुउद्देशीय बोधघाट बांध परियोजना और इंद्रावती-महानदी लिंक परियोजना पर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि बस्तर क्षेत्र के चहुमुखी विकास के लिए बोधघाट बहुउद्देशीय बांध परियोजना निर्णायक परियोजना साबित होगी।

यह परियोजना, लंबे समय से इन्द्रावती नदी पर प्रस्तावित है। इंद्रावती, गोदावरी नदी की बड़ी सहायक नदी है। गोदावरी जल विवाद अभिकरण के वर्ष 1980 के अवॉर्ड में भी अन्य योजनाओं के साथ इस परियोजना का उल्लेख है। इस अवॉर्ड में उल्लेखित अन्य परियोजनाओं का क्रियान्वयन दूसरे राज्यों द्वारा किया जा चुका है परंतु दूरस्थ अंचल में होने एवं नक्सल समस्या के कारण इस परियोजना को प्रारंभ नहीं किया जा सका।

परियोजना की विशेषताएं

दोनों परियोजनाओं की अनुमानित लागत 49000 करोड़ रूपए है। जिसमें इंद्रावती-महानदी लिंक परियोजना की लागत लगभग 20 हजार करोड़ रूपए एवं बहुउद्देशीय बोधघाट बांध परियोजना में लगभग 29 हजार करोड़ रुपए की लागत संभावित है। जिसमें हाइड्रोपावर इलेक्ट्रोमैकेनिकल कार्य, सिविल कार्य (सिंचाई) भी शामिल हैं। इस परियोजना में उपयोगी जल भराव क्षमता 2009 मि.घ.मी, कुल जल भराव क्षमता 2727 मि.घ.मी, पूर्ण जल भराव स्तर पर सतह का क्षेत्रफल 10440 हेक्टेयर सम्भावित है।

इन जिलों का होगा लाभ

बहुउद्देशीय बोधघाट बांध परियोजना से दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा जिले के 269 गांवों को बड़ा लाभ होगा। जबकि इंद्रावती-महानदी इंटरलिंकिंग परियोजना से कांकेर जिले के अनेकों गांवों में सिंचाई सुविधा का विस्तार हो सकेगा। बस्तर संभाग को विकसित, आत्मनिर्भर और सक्षम बनाने की दिशा में दोनों परियोजना एक महत्वपूर्ण कदम होगा। बस्तर को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में दोनों परियोजना एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

बस्तर के विकास की रफ्तार होगी डबल

बहुउद्देशीय बोधघाट बांध परियोजना से संभाग में सिंचाई साधनों का दायरा बढ़ने के साथ ही बस्तर के विकास को डबल रफ्तार मिलेगी। इस परियोजना से 125 मेगावाट का विद्युत् उत्पादन, 4824 टन वार्षिक मत्स्य उत्पादन जैसे अतिरिक्त रोजगार, खरीफएवं रबी मिलाकर 3,78,475 हेक्टेयर में सिंचाई विस्तार एवं 49 मि.घ.मी पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगा। वही इंद्रावती- महानदी इंटरलिंकिंग परियोजना से कांकेर जिले की भी 50,000 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई सहित कुल 3,00,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

क्या है बहुउद्देशीय बोधघाट बांध परियोजना ?

बहुउद्देशीय बोधघाट बांध परियोजना, गोदावरी नदी की बड़ी सहायक इन्द्रावती नदी पर प्रस्तावित है। राज्य में इन्द्रावती नदी कुल 264 कि. मी. में प्रवाहित होती है। यह परियोजना दंतेवाड़ा जिले के विकासखंड एवं तहसील गीदम के ग्राम बारसूर से लगभग 8 कि.मी. एवं जगदलपुर शहर से लगभग 100 कि. मी. दूरी पर प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री ने तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव का किया शुभारंभ, बोले-

आम की खेती किसानों की आय बढ़ाने में मददगार

आम महोत्सव के आयोजन से फलों और उद्यानिकी फसलों की खेती के लिए किसान होंगे प्रोत्साहित, 9 जून तक चलेगा राष्ट्रीय आम महोत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि आम की खेती किसानों की आय बढ़ाने की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। किसान जितने ज्यादा आम के पौधे लगाएंगे, उतना ज्यादा फायदा होगा। आम और उद्यानिकी फसलों की खेती से हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के किसानों की आय दोगुनी करने के संकल्प को पूरा करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री राजधानी रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मण्डपम् में आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने महोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ऐसे उत्सवों से फलों और उद्यानिकी फसलों की खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहन मिलेगा।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर तथा संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, छत्तीसगढ़ शासन तथा प्रकृति की ओर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय आम महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की। इस अवसर पर विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, कृषि वैज्ञानिक, छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों से आये आम उत्पादक किसान और विश्वविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री सहित अतिथियों ने इस अवसर पर प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के 'न्यूज लेटर' का विमोचन किया। आयोजकों द्वारा अतिथियों का उन्नत किस्म के आम के ग्राफ्टेड पौधे देकर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति और विशेषकर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परंपराओं में आम का विशेष महत्व है। छत्तीसगढ़ में सभी मांगलिक एवं धार्मिक कार्यों में आम के पत्तों, फलों एवं अन्य अंगों का उपयोग किया जाता है तथा आम के पेड़ को बहुत ही शुभ माना जाता है। श्री साय ने कहा कि भारत में आम की समृद्ध जैवविविधता देखने को मिलती है और यहां आम की सैकड़ों प्रजातियां पाई जाती हैं जो अपने विशिष्ट स्वाद, सुगंध और गुणों के कारण दुनिया भर में बहुत लोकप्रिय हैं। आम के इन्ही विशिष्ट गुणों के कारण इसे फलों का राजा भी कहा जाता है।

श्री साय ने कहा कि इस भव्य और वृहद आम महोत्सव में छत्तीसगढ़ वासियों को आम की सैकड़ों विशिष्ट एवं दुर्लभ प्रजातियां देखने का अवसर प्राप्त हुआ। श्री साय ने कहा कि आज यहां उन्हें स्वयं आम की अनेकों दुर्लभ किस्में देखने को मिली जो उन्होंने अपने जीवन में इससे पूर्व नहीं देखी थी। इनमें से एक प्रजाति बीजापुर की हाथीझुल किस्म है जिसका एक-एक फल दो किलो से लेकर चार किलो तक वजन का होता है। श्री साय ने आशा व्यक्त की कि आगामी वर्षों में यहां आम महोत्सव और भी भव्य एवं वृहद स्तर पर आयोजित किया जाएगा जिससे रायपुर को एक नई पहचान मिलेगी।

शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि आम महोत्सव में लगी आम प्रदर्शनी में 2 इंच से लेकर 15 इंच आकार तक के आम के फल देखने को मिल रहे हैं जो रायपुर वासियों के लिए एक सुखद एवं अनोखा अनुभव है। उन्होंने कहा कि यह प्रयास करना होना चाहिए की रायपुर शहर से अधिक से अधिक लोग आम महोत्सव में पहुंच कर आम की इन किस्मों को देख सकें।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने राष्ट्रीय आम महोत्सव के बारे में मुख्यमंत्री एवं अन्य अतिथियों को जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रीय आम महोत्सव में आम की 200 से अधिक किस्मों एवं आम से बने 56 व्यंजनों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इस आम महोत्सव में छत्तीसगढ़ सहित देश के विभिन्न राज्यों के 450 से अधिक किसानों द्वारा विभिन्न किस्मों के 1200 से अधिक आमों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इसके साथ ही आमों से बने 56 उत्पादों का प्रदर्शन भी किया जा रहा है। देश के विभिन्न हिस्सों से आए आम उत्पादकों द्वारा आम के विभिन्न किस्मों के फलों तथा पौधों का विक्रय भी किया जा रहा है।

डॉ. चंदेल ने मुख्यमंत्री श्री साय को प्राकृतिक रूप से पके आमों की विभिन्न प्रजातियों से भरी टोकरी भेंट की। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के मास मीडिया एवं पब्लिकेशन सेल द्वारा प्रकाशित न्यूज लेटर का विमोचन भी किया गया। कुलपति डॉ. चंदेल ने इस अवसर पर घोषणा की कि आम महोत्सव में नागरिकों के उत्साह एवं मांग को देखते हुए राष्ट्रीय आम महोत्सव की अवधि एक दिन और बढ़ायी जा रही है अब आम महोत्सव का समापन सोमवार 9 जून, 2025 को होगा। कार्यक्रम के अंत में कृषि विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी द्वारा अतिथियों के प्रति आभार प्रदर्शन किया गया।

गृहमंत्री अमित शाह ने नक्सल ऑपरेशन्स की सफलता पर अफसरों की पीट थपथपाई, बोले- जल्द आऊंगा छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हाल ही में नक्सलवाद के विरुद्ध चलाए गए अभियानों में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों से शनिवार को नई दिल्ली में भेंट कर इन ऑपरेशंस की ऐतिहासिक सफलता पर उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार नक्सलवाद के दंश से भारत को मुक्त करने के लिए संकल्पित है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा उपस्थित थे। इस अभियान में शामिल छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विवेकानंद, बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज, नारायणपुर के पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र यादव और नक्सल मुक्त जिला बस्तर के पुलिस अधीक्षक शलभ सिंह को केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, आसूचना ब्यूरो के निदेशक तपन डेका सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों द्वारा केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री के निर्देशन में माओवादी विरोधी अभियानों का संचालन किया जा रहा है। इसके तहत अबूझमाड़ के अंदरूनी क्षेत्रों में दिनांक 18.05.2025 से 21.05.2025 तक छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा (जिसमें जिला नारायणपुर, दंतेवाड़ा, कोण्डागांव एवं बीजापुर पुलिस के डीआरजी बल शामिल थे) संचालित अभियान में दिनांक 21.05.2025 को ग्राम बोटेर के जंगलों में हुए मुठभेड़ में भाकपा (माओवादी) के महासचिव व पोलित ब्यूरो सदस्य बसवाराजू उर्फ गगन्ना सहित 27 नक्सली मारे गये तथा भारी मात्रा में हथियार एवं गोला बारूद बरामद हुए।

अमित शाह ने एक्स पर किया पोस्ट

गृह मंत्री ने एक्स पर किए गए एक पोस्ट में कहा, “हाल ही में नक्सलवाद के विरुद्ध चलाए गए अभियानों में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों से भेंट कर इन ऑपरेशंस की ऐतिहासिक सफलता पर उन्हें बधाई दी। इन अभियानों को अपनी बहादुरी से सफल बनाने वाले जवानों से भी मिलने के लिए उत्सुक हूँ और जल्द ही छत्तीसगढ़ आकर उनसे भेंट करूँगा। मोदी सरकार नक्सलवाद के दंश से भारत को मुक्त करने के लिए संकल्पित है।

सीएम साय ने जताया आभार

एक्स पर केंद्रीय गृह मंत्री पोस्ट के जवाब में सीएम साय ने आभार जताया है। उन्होंने कहा कि आपके मजबूत संकल्प और प्रेरणादायी नेतृत्व से छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के विरुद्ध ऐतिहासिक सफलता संभव हो पा रही है। आपके मार्गदर्शन में हमारे अधिकारी और सुरक्षाबल के जवान अपने अदम्य साहस और शौर्य से देश को नक्सल मुक्त करने के अभियान में जुटे हुए हैं। आपका स्नेहिल प्रोत्साहन निश्चय ही सुरक्षाबल का मनोबल नई ऊंचाइयों तक पहुँचाएगा। लाल आतंक के अंत की यह लड़ाई आपके दूरदर्शी नेतृत्व और रणनीतिक सोच से निर्णायक मोड़ पर है। हम पूर्ण विश्वास के साथ इस संकल्प की सिद्धि की ओर अग्रसर हैं, मार्च 2026 तक देश-प्रदेश से नक्सलवाद का समूल नाश निश्चित है।

डबरी निर्माण से संवरी किस्मतः बहुफसली खेती और मछली पालन से बढ़ी आय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। डबरी निर्माण से संवरी किस्मतः बहुफसली खेती और मछली पालन से बढ़ी आयजशपुर जिले के फरसाबहार विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत हेटघींचा के किसान धनुर्जय यादव ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत डबरी निर्माण करवा कर अपनी कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा से सुसज्जित कर लिया है। डबरी बनने के बाद न केवल उनके खेतों में हरियाली लौट आई है, बल्कि उन्होंने बहुफसली खेती और मछली पालन शुरू कर अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि भी दर्ज की है। धनुर्जय यादव ने बताया कि कृषि ही उनके परिवार की आजीविका का मुख्य साधन है, लेकिन पानी की कमी के चलते वे केवल एक ही फसल पर निर्भर थे। गांव के अन्य किसानों को डबरी योजना से लाभ लेते देख उन्होंने भी डबरी निर्माण का प्रस्ताव ग्राम पंचायत में दिया। लगभग 2.97 लाख रूपय की लागत से बनी इस डबरी के निर्माण में कुल 1244 मानव दिवस का रोजगार भी सृजित हुआ।

डबरी निर्माण के बाद उन्होंने आलू, प्याज, मिर्च, करेला, भिंडी, बरबट्टी, गोभी जैसे कई प्रकार की सब्जियों की खेती प्रारंभ की है। अब वे न केवल घर की सब्जी की जरूरतें स्वयं पूरी कर रहे हैं, बल्कि अतिरिक्त उत्पादन को बाजार में बेचकर अच्छी आय भी अर्जित कर रहे हैं। साथ ही वे मत्स्य पालन से भी अतिरिक्त लाभ कमा रहे हैं।

धनुर्जय यादव कहते हैं, पहले मैं केवल बारिश के भरोसे खेती करता था, लेकिन अब सालभर उत्पादन संभव हो पाया है। डबरी से खेतों को सिंचाई मिलती है और इससे पूरे परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। डबरी निर्माण से ना सिर्फ खेती की दिशा बदली, बल्कि गांव के अन्य किसान भी इस योजना से प्रेरित होकर आगे आ रहे हैं। धनुर्जय अब अपने अनुभव से अन्य ग्रामीणों को भी मनरेगा जैसी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास मद्दी के पदभार ग्रहण समारोह में हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के नव नियुक्त अध्यक्ष श्रीनिवास मद्दी के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने श्री मद्दी को नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि श्री मद्दी सामाजिक रूप से लंबे समय से सक्रिय हैं और उनके पास विभिन्न पदों पर कार्य करने का गहरा अनुभव है। मुझे विश्वास है कि उनका यह अनुभव स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के कार्यों को सुदृढ़ करने में उपयोगी सिद्ध होगा। श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार अनेक नवाचारों के माध्यम से शासकीय कार्यों में पारदर्शिता ला रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर में शांति स्थापना और विकास के लिए हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। नक्सल उन्मूलन के साथ-साथ हम बस्तर में अधोसंरचना और पर्यटन विकास के कार्यों को गति दे रहे हैं, ताकि स्थानीय लोगों को स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त हो सकें। हमने हाल ही में दुधारू पशु योजना के माध्यम से आदिवासी परिवार को दो अच्छी नस्ल की गाय प्रदान करने की शुरुआत की है, जिससे प्रदेश में दूध का उत्पादन बढ़ेगा और किसानों और पशुपालकों की आय में वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री साय ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से हुई मुलाकात में प्रदेश के विकास को लेकर हुई महत्वपूर्ण चर्चाओं का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री से बस्तर में सिंचाई परियोजनाओं और इंद्रावती एवं महानदी को जोड़ने की महत्वाकांक्षी पहल के बारे में सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि बस्तर के विकास के साथ-साथ यह विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में एक निर्णायक कदम सिद्ध होगा।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि श्रीनिवास के सामाजिक जीवन के लंबे अनुभव का लाभ निश्चित ही बेवरेजेस कॉर्पोरेशन को मिलेगा। उन्हें पहले भी वन विकास निगम के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने का मौका मिला था और उन्होंने बेहतर ढंग से दायित्व का निर्वहन किया। इस अवसर पर नई जिम्मेदारियों के लिए उन्होंने मद्दी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जगदलपुर विधायक किरण देव ने भी संबोधित किया एवं शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में वन मंत्री केदार कश्यप, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, सांसद रूपकुमारी चौधरी, सांसद महेश कश्यप, सांसद भोजराज नाग, विधायक राजेश मूणत, विधायक मोतीलाल साहू, विधायक आशाराम नेताम, विधायक चैतराम अटामी, विधायक विनायक गोयल, विधायक धरमलाल कौशिक, विभिन्न निगम-मंडलों के अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के प्रबंध संचालक श्याम धावड़े, आबकारी विभाग के अधिकारी-कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950